राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 30 नवम्बर 2025 वर्ष-8,अंक-273 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

चक्रवात दितवाह के तमिलनाडु-पुडुचेरी तट से टकराने की आशंका, भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बड़ा अलर्ट जारी किया है। बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवाती तूफान 'दितवाह' अगले 48 घंटों में और तीव्र हो सकता है। यह 30 नवंबर 2025 की सुबह तक उत्तर तमिलनाडु, पुडुचेरी और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों के करीब पहुंच जाएगा। इसके प्रभाव से इन क्षेत्रों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश, 70-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली तेज हवाएं और निचले इलाकों में बाढ़ की गंभीर स्थिति बनने का खतरा है। आईएमडी के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय मोहापात्रा ने शनिवार को कहा, फिलहाल चक्रवात 'दितवाह' श्रीलंका के दक्षिण-पश्चिम तट और पश्चिम-मध्य एवं दक्षिणी बंगाल की खाड़ी के ऊपर सक्रिय है। यह चेन्नई से करीब 480 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व में स्थित है। तूफान उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है। हमारी भविष्यवाणी है कि यह 29 नवंबर की सुबह तक श्रीलंका तट को पार कर पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में पूरी तरह प्रवेश कर जाएगा। इसके बाद यह और तेज हो सकता है। डॉ. मोहापात्रा ने आगे बताया, 30 नवंबर की सुबह तक यह उत्तर तमिलनाडु-पुडुचेरी तट के बहुत करीब आ जाएगा। इस दौरान 60-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवाएं चलेंगी, जो कभी-कभी 90 किमी तक पहुंच सकती हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि तमिलनाडु के कई हिस्सों में पहले ही मध्यम से तेज बारिश शुरू हो चुकी है और 29-30 नवंबर को यह अत्यधिक भारी हो जाएगी। मौसम विभाग ने विशेष रूप से चेन्नई, कांचीपुरम, तिरुवल्लूर, चेंगलपट्टू, विलुप्पुरम, कुड्डालोर और पुडुचेरी में रेड एवं ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। शहरी क्षेत्रों में भयंकर जलभराव, निचली बस्तियों में बाढ़ और पहाड़ी इलाकों में अचानक बाढ़ की आशंका जताई गई है। मछुआरों को 30 नवंबर तक समुद्र में न जाने की सख्त हिदायत दी गई है। राज्य सरकारें हाई अलर्ट पर हैं। तमिलनाडु में एनडीआरएफ की कई टीमें तैनात कर दी गई हैं और राहत शिविर तैयार किए जा रहे हैं।

श्रीलंका की मदद के लिए भारत ने चलाया ऑपरेशन सागर बंधु.....मानवीय सहायता और राहत सामग्री भेजी

नई दिल्ली श्रीलंका में आए तूफान दितवाह से निपटने के लिए भारत ने पड़ोसी देश को मानवीय सहायता और राहत सामग्री भेजी है। इस मानवीय पहल को ऑपरेशन सागर बंधु नाम दिया गया है। इसके तहत हवाई और समुद्र मार्ग से अब तक लगभग 27 टन राहत सामग्री पहुंचाई जा चुकी है, और अधिक सामग्री भेजी जा रही है। राहत सामग्री में टेंट, तिरपाल, कंबल, हाइजीन किट और खाने के लिए तैयार खाने की चीजें शामिल हैं। भारत ने राहत और बचाव कार्यों के लिए विशेष टीमें भेजी हैं। इसमें नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एनडीआरएफ) की दो अर्बन सर्च एंड रेस्क्यू टीमें। इसमें 80 प्रशिक्षित रेस्क्यूअर और चार खोजी कुत्ते शामिल हैं। एनडीआरएफ की टुकड़ी का नेतृत्व 8वीं बटालियन के कमांडेंट पी.के. तिवारी कर रहे हैं। शनिवार सुबह 4:06 बजे हिंडन एयरबेस से इंडियन एयर फोर्स के आईएल-76 एयरक्राफ्ट से रवाना हुईं। इससे पहले, भारतीय वायु सेना का एक सी-130जे विमान कोलंबो में उतरा, जिसमें लगभग 12 टन मानवीय मदद भेजी गई थी। दूसरी खेप आईएल-76 एयरक्राफ्ट कोलंबो में लैंड हुआ, जिसमें 9 टन राहत सामग्री और एनडीआरएफ टीमें शामिल थीं। इस संबंध में एनडीआरएफ मुख्यालय ने एक आधिकारिक बयान भी जारी किया है।

गैंगस्टर हरसिमरन को थाईलैंड से गिरफ्तार कर भारत लाई पुलिस....23 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज

नई दिल्ली दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गैंगस्टर हरसिमरन उर्फ बादल को थाईलैंड से गिरफ्तार कर लिया है। गैंगस्टर हरसिमरन जनवरी 2025 में भारत से फर्जी पासपोर्ट पर भाग गया था। शालीमार बाग निवासी हरसिमरन पर दिल्ली में हत्या, हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट सहित 23 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। स्पेशल सेल की टीम ने दिल्ली में हरसिमरन के बेटे हरविंदर सिंह को पकड़ा था। जांच में सामने आया कि हरसिमरन ने एक फर्जी पहचान पर पासपोर्ट बनवाया और जनवरी में लखनऊ से बैंकॉक भाग गया है। इसके बाद सुरक्षा एजेंसी थाईलैंड में स्थानीय अधिकारियों के सहयोग से गैंगस्टर हरसिमरन को गिरफ्तार कर भारत वापस ले आई। रिपोर्ट के अनुसार, हरसिमरन शुरू में कुश्ती के अखाड़ों में सक्रिय था, लेकिन बाद में गैंगस्टर बनाकर दिल्ली के नॉर्थ-वेस्ट इलाके में एक्सटॉर्शन की वारदात को अंजाम देने लगा। पुलिस के अनुसार 2005 से 2015 तक हरसिमरन के खिलाफ हत्या की कोशिशों और हिंसक अपराधों के कई मामले दर्ज किए थे। हरसिमरन पहले भी हत्या, हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट जैसे गंभीर अपराधों में शामिल रहा था।

साइक्लोन दित्वा ने श्रीलंका में मचाई तबाही

बाढ़-लैंडस्लाइड से 123 से ज्यादा मौतें, करीब 3.7 लाख लोग प्रभावित

प्रेमदासा स्टेडियम को बनाया राहत केंद्र

भारत ने बढ़ाया मदद के लिए हाथ

कोलंबो

श्रीलंका इस समय एक बड़े मानवीय संकट से गुजर रहा है। साइक्लोन दित्वा ने देश में ऐसी तबाही मचाई जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। बारिश से निचले इलाके डूब गए और जगह-जगह लैंडस्लाइड शुरू हो गए। सबसे दुखद बात यह है कि 123 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 130 लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। करीब 3.7 लाख लोग प्रभावित हैं और 195 राहत शिविरों में 14,000 लोग रह रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मातले में तो सिर्फ 24 घंटों में 540 मिमी बारिश हुई। यह बारिश सामान्य सीमा से कई गुना ज्यादा है। पिछले 10 दिनों में करीब 1000 मिमी बारिश ने पूरे इलाकों को तबाह कर दिया। वैज्ञानिकों का कहना है कि 150 मिमी बारिश भी लैंडस्लाइड करा सकती है, और यहां तो 500 मिमी से ज्यादा पानी बरस चुका है। सबसे ज्यादा चिंता कोलंबो और गंपाहा की है, जहां केलानी और अट्टानगालु नदियां खतरे के निशान से ऊपर पहुंच चुकी हैं। लोगों को सुरक्षित जगह जाने और जरूरी कागजात संभालकर रखने को कहा है। तूफान ने श्रीलंका के बुनियादी ढांचे को भी बुरी तरह नुकसान पहुंचाया है।

तीन बड़े पुल- मोरगहकंडा मेन ब्रिज, एलाहेरा ब्रिज और कुमारा एला ब्रिज पूरी तरह बह गए। बिजली की लाइनें टूटने से देश के 25-30 फीसदी हिस्से में बिजली की आपूर्ति नहीं की जा रही है। ट्रेनें रद्द हैं और कई परीक्षाएं टाल दी गई हैं।

श्रीलंका राष्ट्रपति ने आपातकालीन कानून लागू किया और बिजली, फ्यूल, अस्पताल और पानी को जरूरी सेवाएं घोषित किया है। कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम को राहत केंद्र बनाया गया है, जहां 3,000 लोगों को ठहराया जा सकता है।

भारत ने बढ़ाया मदद का हाथ

भारत ने तुरंत मदद का हाथ बढ़ाया और ऑपरेशन सागर बंधु शुरू किया। भारतीय नौसेना के विक्रांत और उदयगिरि जहाज राहत सामग्री लेकर श्रीलंका पहुंचे। इनमें 4.5 टन सूखा राशन, 2 टन ताजा खाने का सामान और अन्य जरूरी सामग्री शामिल है। विशेषज्ञों ने इसे अभूतपूर्व स्थिति बताया है और कहा है कि आने वाले दो दिन और मुश्किल भरे हो सकते हैं। तूफान अभी भी त्रिंकोमाली के पास है और भारी बारिश का दौर जारी है।

पुतिन से पहले भारत ने ट्रंप को कर दिया सेट ....9 हजार करोड़ रुपये की रक्षा डील साइन की

नई दिल्ली

रूसी राष्ट्रपति पुतिन 4 दिसंबर को भारत दौरे पर आ रहे हैं। उनके आने से ठीक पहले भारत ने अमेरिका के साथ 9 हजार करोड़ का रक्षा समझौता साइन किया है। नवंबर महीने हुई डील में एमएच-60आर हेलीकॉप्टरों के रखरखाव, एक्सकैलिबर और जैवलिन मिसाइलों की खरीद पर मुहर लगी है। इसमें एमएच-60आर हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल नौसेना कर रही है। इसके इस्तेमाल रखरखाव, सपोर्ट और सर्विस से नेवी की ताकत में और इजाफा होगा।

एमएच-60आर हेलीकॉप्टरों से जुड़ी शुक्रवार को हुई ये डील करीब 8000 करोड़ रुपये की है। यही नहीं नवंबर महीने में ही भारत और अमेरिका के बीच दो और करार पर मुहर लगी थी। इन अनुबंधों के तहत एक्सकैलिबर प्रिसिजन एम्युनिशन (सटीक गोला-बारूद) और जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइलों की सप्लाई की जाएगी। ये दोनों डील करीब 1,000 करोड़ की थी।

बता दें कि एमएच-60आर हेलीकॉप्टरों से जुड़ी डील सीधे सरकार से सरकार के बीच हुई है। इससे अगले पांच सालों तक इन हेलीकॉप्टरों को सपोर्ट और अपग्रेड किया जाएगा। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि इस पैकेज के तहत भारत में ही हेलीकॉप्टरों के रखरखाव और सपोर्ट के लिए जरूरी सुविधाएं स्थापित होगी। भारतीय नौसेना के पास फिलहाल 24 एमएच-60आर हेलीकॉप्टर हैं।

रक्षा अधिकारियों ने बताया कि सस्टेनमेंट सपोर्ट एक पूरा पैकेज है। इसमें स्पेयर पार्ट्स (पुर्जे), सपोर्ट उपकरण, उत्पाद सपोर्ट,

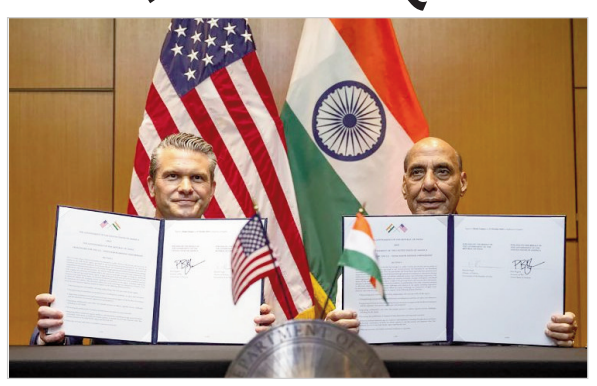

ट्रेनिंग (प्रशिक्षण), तकनीकी सहायता, कंपोनेंट्स की मरम्मत और बदलने की सुविधा शामिल है। इसके साथ ही, भारत में इंटरमीडिएट-लेवल कंपोनेंट रिपेयर और नियमित रखरखाव निरीक्षण की सुविधाएं भी स्थापित होगी।

अधिकारियों का कहना है कि इस सपोर्ट से एमएच-60आर हेलीकॉप्टरों की ऑपरेशनल उपलब्धता और रखरखाव क्षमता में काफी सुधार होगा। ये हेलीकॉप्टर बेहद एडवांस्ड, हर मौसम में काम करने वाले और एंटी-सबमरीन वारफेयर (पनडुब्बी रोधी युद्ध) की क्षमता रखते हैं। इन्हें भी अमेरिकी सरकार से ही खरीदा गया था। भारत अपनी सैन्य क्षमता को मजबूत करने के लिए समय-समय पर अमेरिका से कई तरह के हथियार और उपकरण खरीदता रहा है।

दिल्ली के निजी अस्पतालों को नोटिस.....पाकिस्तान, बांग्लादेश से एमबीबीएस करके आएं डॉक्टरों की सूची दें

नई दिल्ली

दिल्ली के लाल किला विस्फोट मामले में अब दिल्ली पुलिस ने एक और बड़ा कदम उठा दिया है। इसके तहत दिल्ली के सभी निजी अस्पतालों को नोटिस जारी कर उन डॉक्टरों की सूची मांगी गई है, जिन्होंने पाकिस्तान, बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात और चीन से एमबीबीएस की डिग्री हासिल की है और दिल्ली में वर्तमान में प्रैक्टिस कर रहे हैं। इस बीच जांच एजेंसी एनआईभी भी आत्मघाती हमलावर उमर नबी और अल फलाह विश्वविद्यालय के डॉक्टर के बीच संबंधों की जांच में जुटी हुई हैं। एनआईए ने अल-फलाह विश्वविद्यालय के 30 डॉक्टरों के बयान दर्ज किए हैं। डॉक्टरों से उमर और उसके व्यवहार के बारे में पूछताछ की गई। साथी डॉक्टरों ने बताया कि उमर का व्यवहार बहुत रूखा था और वह अपने कमरे में कुछ चुनिंदा लोगों को आने देता था। इसके अलावा 26 नवंबर को दिल्ली ब्लास्ट मामले में एनआईए (नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी) ने आरोपी शोएब को 10 दिन की रिमांड पर लिया है। शोएब को फरीदाबाद से गिरफ्तार किया था। इसके बाद पाटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया, जहां एनआईए रिमांड को मंजूरी मिली। दिल्ली ब्लास्ट मामले में एक और आरोपी आमिर राशिद अली, जिसकी एनआईए कस्टडी उसी दिन समाप्त हो रही थी, उस भी कोर्ट में पेश किया गया और उसकी कस्टडी को 7 दिन और बढ़ा दिया गया। यह कार बम ब्लास्ट 10 नवंबर को लाल किले के पास हुआ था, जिसमें कई लोगों की मौत हुई और कई लोग घायल हुए। शोएब मामले में गिरफ्तार किया सातवां आरोपी है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- लड़कियों का खतना पॉक्सो ऐक्ट का उल्लंघन? जारी किया नोटिस

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट मुसलमानों, विशेषकर दाऊदी बोहरा समुदाय में प्रचलित महिलाओं का खतना (एफजीएम) करने की प्रथा पर प्रतिबंध लगाने संबंधी याचिका पर विचार करने के लिए शुक्रवार को सहमत हो गया है। जस्टिस बी. वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने एक गैर-सरकारी संगठन द्वारा दायर याचिका पर केंद्र और अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर दिए हैं।

अदालत चेतना वेलफेयर सोसाइटी की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें दावा किया गया है कि यह प्रथा इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं है और बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन करती है। याचिका में कहा गया है, पॉक्सो

(यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) ऐक्ट के तहत किसी नाबालिग के जननांगों को गैर-चिकित्सकीय कारणों से छूना कानून का उल्लंघन है। याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने महिला खतना को लड़कियों और महिलाओं के मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन करार दिया है।

पूर्व सीजेआई बीआर गवाई ने भी इस्लाम में खतने की प्रथा को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि संविधान में अधिकार मिलने के बाद बी देश में बेटियों का एफजीएम यानी खतना हो रहा है। सीजेआई ने कहा था कि कोर्ट में एफजीएम के साथ ही सबरीमाला, पारसी समुदाय में अदियारी और अन्य धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के प्रति कथित भेदभाव को लेकर सुनवाई कर रहा है।

8.2 प्रतिशत जीडीपी में जयराम रमेश ने कहा- आंकड़े 'सी ग्रेड'वाले, टिकाऊ नहीं

नई दिल्ली

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने शुक्रवार को जुलाई-सितंबर 2025 तिमाही के जीडीपी आंकड़े जारी किए। वैश्विक मंदी और ट्रंप प्रशासन के नए टैरिफ दबाव के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने शानदार वापसी की है और 8.2 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की है। पिछले साल की इसी तिमाही में यह दर मात्र 5.6 प्रतिशत थी।

इन आंकड़ों का प्रधानमंत्री मोदी सहित भाजपा नेताओं ने जोरदार स्वागत किया और इसे 'विकसित भारत'की दिशा में बड़ा कदम बताया। लेकिन कांग्रेस ने तुरंत हमला बोल दिया।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, यह बड़ी विडंबना है कि जिस दिन तिमाही जीडीपी के आंकड़े जारी हुए, उसी दिन आईएमएफ की रिपोर्ट में भारत के राष्ट्रीय लेखा-जोखा सांख्यिकी को दूसरा सबसे निचला 'सी' ग्रेड दिया गया है।उन्होंने आगे आरोप लगाया, संख्याएँ लगातार निराशाजनक हैं। सकल स्थिर पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) में कोई उछाल नहीं आया। निजी निवेश में कोई नई गति नहीं दिख रही। बिना निजी निवेश के इतनी ऊंची जीडीपी वृद्धि दर टिकाऊ नहीं हो सकती। सरकार मुद्रास्फीति को जानबूझकर कम करके दिखा रही है ताकि नाममात्र की जीडीपी वृद्धि ज्यादा लगे। जयराम रमेश ने

आईएमएफ की ताजा डेटा क्वालिटी असेसमेंट रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत के आधिकारिक सांख्यिकी की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। इससे पहले वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया था कि 8.2प्रतिशत वृद्धि में निर्माण, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र का मजबूत योगदान है। अब जीडीपी आंकड़ों पर यह नया राजनीतिक विवाद छिड़ गया है।

भारत ने फिर पाकिस्तान का झूठ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेनकाब किया

नई दिल्ली

पाकिस्तान के एक और झूठ की पोल भारत ने खोलकर रख दी है। इस बार भारत ने पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर झूठ बोलने पर उन्हें बेनकाब किया है। पाकिस्तान का कहना था कि ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड यूनियन में होनी वाली बैठक से भारत पीछे हट गया। हालांकि, सच कुछ और ही था, भारत के वरिष्ठ अधिवक्ता साई दीपक ने पाकिस्तान के आरोपों को खारिज कर पूरी सच्चाई दुनिया के सामने ला दी।

दरअसल, ऑक्सफोर्ड यूनियन में भारत-पाकिस्तान बहस के दौरान हुए विवाद ने नया मोड़ लिया, जब पाकिस्तान की हाई कमीशन ने ट्वीट कर भारत पर बहस से अचानक वापसी का आरोप लगाया। पाकिस्तान हाई कमीशन ने कहा कि भारतीय तीनों वक्ता आखिरी मौके में बहस से बाहर हो गए, जिससे पाकिस्तान को वॉकओवर मिल गया।

पाकिस्तानी टीम में पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खर, ब्रिटेन में उनके राजदूत मोहम्मद फैसल और पूर्व सेना जनरल जुबैर महमूद हयात शामिल थे। वहीं, भारत की ओर से पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे, उपराष्ट्रपति स्वामी और कांग्रेस नेता सचिन पायलट को वक्ता के रुप में भेजा गया था।

यानी अब पाकिस्तानी बिना बहस के जीत का दावा कर रहा था। हालांकि, साई दीपक ने पाकिस्तान के आरोप का खंडन किया। उन्होंने कहा कि वे स्पीकर कन्फर्म थे, और भारत की तरफ से जनरल नरवाने और सुब्रमण्यम स्वामी भी।

साई दीपक ने ऑक्सफोर्ड यूनियन का ईमेल शेयर किया, जो पिछले महीने 27 नवंबर वाले इवेंट के लिए उनकी मौजूदगी को दिखाता है। पाकिस्तान हाई कमीशन के ट्वीट को खारिज करते हुए दीपक ने लिखा, ÷पाकिस्तानियों पर भरोसा करो, वहां ऑक्सफोर्ड यूनियन को भी गड़बड़ बना सकते है। वे हमेशा झूठ बोलने में माहिर हैं।

दीपक ने दूसरों के नाम सुझाने से पहले ही यूनियन ने फोन किया कि सुहेल सेठ और प्रियंका चतुर्वेदी से बात हो गई, दोनों ने हां कर दी। दीपक को लगा मामला खत्म। लेकिन फिर पता चला कि सेठ और चतुर्वेदी ने छोटे नोटिस की वजह से कैंसल किया है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी साफ कर दिया है। उन्होंने कहा कि यूनियन ने जुलाई में उनसे संपर्क किया था। उन्होंने हां कही थी, लेकिन शर्त रखी कि संसद इस सेशन से टकराए नहीं।

अचानक 25 नवंबर को मेल आया कि कन्फर्म करे। आखिरी पल में उन्होंने ब्रिटेन में रहने वाले मनु खजुरिया और पीटी सतीश के शर्मा की टीम बनाई। बहस डिनर से तीन घंटे पहले यूनियन का फोन आया कि पाकिस्तानी टीम यूके नहीं पहुंची, इसलिए बहस कैंसल। दीपक नाराज हुए, क्योंकि इतना समय और मेहनत लग चुकी थी। उन्होंने इवेंट के खराब हैंडलिंग पर नाराजगी जाहिर की। दीपक ने ऑर्गेनाइजर मूसा हरराज को फोन किया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

श्रीराम मन्दिर ध्वजारोहण पर पाकिस्तान की बौखलाहट

आज के समय में पाकिस्तान में बमुश्किल 50 लाख हिंदू बचे हैं, अन्य अल्पसंख्यक सिख और ईसाई तो न के बराबर हैं। पश्चिमी पाकिस्तान में बंटवारे से पहले करीब 15 प्रतिशत हिंदू रहा करते थे, पर बंटवारे के बाद हिंदुओं की संख्या 2 प्रतिशत के आसपास आ सिमटी। दूसरी ओर, भारत में 20 करोड़ से ज्यादा मुस्लिम हैं, इनकी संख्या अन्य अल्पसंख्यकों के साथ तेजी से बढ़ रही है। पाकिस्तान की ओर से यह फिजूल टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब पाकिस्तान खुद लंबे समय से हिंदुओं, ईसाइयों और अहमदिया मुसलमानों सहित दूसरे धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा का केंद्र बना हुआ है।

(लेखक - ललित गर्ग)

पाकिस्तान की भारत-निंदा की आदत कोई नई नहीं है; यह उसकी कूटनीति एवं संकीर्ण सोच का स्थायी चरित्र बन चुकी है। ऐसा शायद ही कोई अवसर हो जब भारत की बढ़ती शक्ति, बढ़ती साख और सांस्कृतिक उन्नयन का प्रभावी दृश्य उभरे और पाकिस्तान उसमें संकुचित मानसिकता से भरी त्रासद टिप्पणियां न करे, विरोध का वातावरण न बनाए या अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अनर्गल आरोपों का पुलिंदा न खोले। हाल ही में अयोध्याजी में श्रीराम मंदिर पर हुए ध्वजारोहण समारोह को लेकर उसकी बौखलाहट इसी मानसिक दिवालियापन का ताज़ा उदाहरण है। भारतीयता के स्वाभाविक सद्भाव में सेंध लगाने का कोई अवसर पाकिस्तान हाथ से नहीं जाने देता। यह केवल एक धार्मिक समारोह नहीं था, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, सभ्यता-स्मृति और सांस्कृतिक स्वाभिमान का वह क्षण था जिसने पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित किया। पाकिस्तान ने इस ऐतिहासिक घटना का विरोध ही नहीं किया बल्कि इसे संयुक्त राष्ट्र तक ले जाकर शिकायत की, जैसे उसे भारत के हर आंतरिक मामले में बाधा डालना ही अपनी कूटनीतिक जिम्मेदारी समझ में आता हो। इससे पहले भी उसने राम मंदिर निर्माण के अवसर पर अनर्गल विरोध दर्ज कराया था। यह उसका वह ढर्रा है जो भारत के सांस्कृतिक उत्थान एवं उन्नयन की किसी भी झलक को देखकर सहन नहीं कर पाता।

पूरे कुतर्क एवं कुचेष्टाओं के साथ अपने बयान में पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने आरोप लगाया है कि श्रीराम मन्दिर का ध्वजारोहण भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर दबाव बनाने की व्यापक प्रवृत्ति का परिणाम है। वैसे, दुनिया जानती है कि किस देश में अल्पसंख्यक ज्यादा दबाव में हैं। आज के समय में पाकिस्तान में बमुश्किल 50 लाख हिंदू बचे हैं, अन्य अल्पसंख्यक सिख और ईसाई तो न के बराबर हैं। पश्चिमी पाकिस्तान में बंटवारे से पहले करीब 15 प्रतिशत हिंदू रहा करते थे, पर बंटवारे के बाद हिंदुओं की संख्या 2 प्रतिशत के आसपास आ सिमटी। दूसरी ओर, भारत में 20 करोड़ से ज्यादा मुस्लिम हैं, इनकी संख्या अन्य अल्पसंख्यकों के साथ तेजी से बढ़ रही है। पाकिस्तान की ओर से यह फिजूल टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब पाकिस्तान खुद लंबे समय से हिंदुओं, ईसाइयों और अहमदिया मुसलमानों सहित दूसरे धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा का केंद्र बना हुआ है। संयुक्त राज्य अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के अनुसार, 2025 की पहली छमाही में पूरे पाकिस्तान में ईसाइयों और हिंदुओं के खिलाफ हिंसा व उत्पीड़न जारी रहा है।

सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली कहावत के अनुसार पाकिस्तान की यह दखलअंदाजी केवल अस्वीकार्य ही नहीं, बल्कि उसकी दोहरी मानसिकता और पाखंडी चरित्र को भी उजागर करती है। विडंबना यह है कि जो देश स्वयं अपने ही नागरिकों को सुरक्षित रखने में असमर्थ है, जो अपने ही अल्पसंख्यकों के मौलिक अधिकारों का हनन करता रहा है, वह भारत में मुसलमानों के अधिकारों की चिन्ता में रातभर जागने का अभिनय कर रहा है। वह देश, जहां हिंदुओं की आबादी 1947 से लेकर आज तक लगभग समाप्त होने की कगार पर पहुँच चुकी है, जहां सिखों पर अत्याचार के अनगिनत उदाहरण मौजूद हैं, जहां ईसाइयों की प्रार्थना सभाओं को अक्सर हिंसा का निशाना बनाया जाता है, वह भारत में अल्पसंख्यक अधिकारों पर प्रवचन देने का नैतिक अधिकार कैसे प्राप्त कर सकता है? पाकिस्तान की विश्वसनीयता इतनी क्षतिग्रस्त हो चुकी है कि उसकी हर शिकायत एक राजनीतिक नौटंकी से अधिक कुछ नहीं रह जाती।

पाकिस्तान के इस व्यवहार के पीछे भारत के बढ़ते आत्मविश्वास, उभरती वैश्विक प्रतिष्ठा और मजबूत होती राष्ट्र-चेतना का भय साफ दिखाई देता है। भारत आज जिस तेज़ी से विश्व राजनीति में प्रभावशाली भूमिका निभा रहा है, उसकी आर्थिक शक्ति जितनी तेज़ी से बढ़ रही है और जिसके सांस्कृतिक और सभ्यतागत विमर्शों को वैश्विक स्तर पर सम्मान मिल रहा है, वह पाकिस्तान की बेचैनी का मूल कारण है। पाकिस्तान यह समझ चुका है कि भारत केवल राजनीतिक या आर्थिक शक्ति के रूप में ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक महाशक्ति के रूप में भी उभर रहा है। अयोध्या में राम मंदिर का पुनर्निर्माण और इसके साथ जुड़ी सांस्कृतिक चेतना भारतीय समाज के भीतर एक नई एकता, नई ऊर्जा और एक नए आत्मसम्मान का निर्माण कर रही है। यही वह शक्ति है जिसे पाकिस्तान सबसे अधिक डरता है क्योंकि एक आत्मविश्वासी, एकजुट और संस्कृति-प्राण भारत उसकी कट्टरपंथी राजनीति और भारत-विरोधी साजिशों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

पाकिस्तान की ओर से जो 'बुकलेट्स' और 'शिकायतें' अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पेश की जाती हैं, वे वस्तुतः उसकी असफल विदेश नीति का प्रमाण-पत्र हैं। एक ऐसा देश, जो आज आर्थिक दिवालियापन, राजनीतिक अस्थिरता और आतंकवाद की जड़ों में स्वयं फंसा हुआ है, वह भारत के आंतरिक धार्मिक आयोजनों को राजनीतिक संकट बनाने का हास्यास्पद प्रयास करता है। उसका यह व्यवहार न केवल

हस्तक्षेपकारी है, बल्कि उकसाने वाला भी है। भारत इन सब निराधार आरोपों को न केवल तथ्यात्मक रूप से खारिज करने में सक्षम है, बल्कि जरूरत पड़ने पर हर मंच पर सटीक जवाब देने की तैयारी भी रखता है। भारत की नीति स्पष्ट है, वह किसी भी देश के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देता, परंतु अपने आंतरिक मामलों पर किसी की दखलंदाजी भी स्वीकार नहीं करता। भारत की आंतरिक नीतियाँ संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था से संचालित होती हैं। यहां का अल्पसंख्यक समुदाय किसी भी अन्य समुदाय की तरह समान अधिकारों का उपभोग करता है। भारत की भूमि पर हर धर्म, पंथ और विचारधारा को समान रूप से सम्मान मिलता है। यह विविधता और समभाव वाला देश है जहाँ मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे और चर्च केवल स्थापत्य संरचनाएँ नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के बहुरंगी फूल हैं। पाकिस्तान की एकरंगी धार्मिक नीति और कट्टरपंथी दबदबा इसे समझ नहीं पाता, इसलिए वह भारत के धार्मिक आयोजनों पर आपत्ति जताकर अपनी ही सीमित सोच को उजागर करता है।

भारत ने हर चुनौती, हर आरोप और हर उत्तेजक बयान का शांतिपूर्ण और तथ्याधारित उत्तर दिया है। यह संयम उसकी शक्ति भी है और संस्कृति भी। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि भारत किसी उकसाने वाले कदम को नजरअंदाज करेगा। समय-समय पर भारत ने यह दिखाया है कि वह केवल सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से ही नहीं, बल्कि सामरिक, कूटनीतिक और आर्थिक स्तर पर भी पर्याप्त सक्षम है। पाकिस्तान यह भलीभांति जानता है कि भारत अब इक्कीसवीं सदी का भारत है-आत्मनिर्भर, जागृत, संगठित और विश्व-मान्य शक्ति। अयोध्या में राम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल का पुनर्निर्माण नहीं, बल्कि भारत की आत्मा से जुड़े सांस्कृतिक पुनर्जागरण की गूंज है। इसे कोई अंतरराष्ट्रीय मंच कमतर नहीं कर सकता। पाकिस्तान चाहे कितनी भी शिकायतें कर ले, कितने भी बयान जारी कर दे, या कितनी भी झूठी कहानियां गढ़ ले, भारत की सांस्कृतिक चेतना का उभार अविराम है और यह आगे भी नए आयाम स्थापित करता रहेगा।सच यह है कि पाकिस्तान की यह बौखलाहट उसकी पराजित मानसिकता का परिचायक है। भारत की बढ़ती शक्ति, बढ़ती प्रतिष्ठा और उभरती सांस्कृतिक पहचान उसके लिए सबसे बड़ा संकट है। लेकिन भारत का रास्ता स्पष्ट है-वह आगे बढ़ेगा, अपनी सभ्यता को सशक्त करेगा, अपनी संस्कृति को विश्व-पटल पर स्थापित करेगा और किसी भी अनर्गल हस्तक्षेप का दृढ़ता से सामना करेगा। पाकिस्तान चाहे कितने ही मोर्चों पर खतरा बने, भारत हर मोर्चे पर उत्तर देने में सक्षम है-साहस से भी, और संस्कार से भी।

संपादकीय

जहरीले कारोबार पर नकेल

आज सिर्फ पंजाब-हरियाणा ही नहीं, देश के अन्य राज्यों में भी नशीले पदार्थों का बढ़ता घातक कारोबार गंभीर संकट की आहट सुना रहा है। आये दिन विभिन्न राज्यों में नशीले पदार्थों की बड़ी-बड़ी खेप बरामद होना इस संकट की भयावह तस्वीर उकेरता है। अब वयस्क ही नहीं, किशोर भी नशे की चपेट में आ रहे हैं। फिर वे अपने नशे के लिए पैसा जुटाने को अपराध की गलियों से गुजरने में गुरेज नहीं करते। हाल ही के कुछ गंभीर अपराधों का खुलासा होने पर किशोरों ने स्वीकार किया कि वे नशे हेतु पैसा जुटाने के लिए अपराध करने निकले थे। कमोबेश, ऐसा ही संकट नकली दवाइयों की आपूर्ति का भी है। पिछले दिनों देश के कई राज्यों में घातक कफ सिरप पीने से कई बच्चे अपनी जान गंवा बैठे। इस आसन्न संकट को महसूस करते हुए नकली दवाइयों और मादक पदार्थों पर अंकुश लगाने के लिए सात राज्यों के ड्रग्स कंट्रोलरों, पुलिस और सीआईडी अधिकारियों का एक महत्वपूर्ण सम्मेलन चंडीगढ़ में आयोजित किया गया, जिसका मकसद इन अधिकारियों को एक मंच पर लाकर कार्रवाई को अधिक कारगर बनाना था। इस रणनीतिक महत्व के सेमिनार का आयोजन हरियाणा के खाद्य और औषधि प्रशासन ने किया था, जिसका मकसद सीमावर्ती राज्यों के बीच बेहतर समन्वय, सूचना साझेदारी और तेज प्रवर्तन तंत्र विकसित करना था। यह स्वागत योग्य है कि देश में पहली बार सात राज्यों ने इस संकट को महसूस करते हुए इस दिशा में साझी पहल की। उल्लेखनीय है कि इस पहल में सीमावर्ती राज्यों पंजाब, राजस्थान, हिमाचल, उत्तराखंड व दिल्ली, महाराष्ट्र तथा हरियाणा के औषधि नियंत्रकों व वरिष्ठ अधिकारियों समेत 70 अधिकारियों ने भाग लिया। इन अधिकारियों ने अनुभव साझा करके भविष्य के लिए कारगर रणनीति को अंजाम देने पर गंभीर मंथन किया। बैठक में स्वीकार किया गया कि नशीले पदार्थों व नकली दवाइयों का कारोबार मात्र एक राज्य की समस्या नहीं है, बल्कि इससे कई राष्ट्रीय मुद्दे भी जुड़े हैं। इसमें दो राय नहीं कि देश के लिए घातक साबित हो रहे नशे के कारोबार पर अंकुश राज्यों के संयुक्त प्रयासों से ही संभव है। इसके लिए जरूरी है कि विभिन्न राज्यों के जिम्मेदार अधिकारी समय-समय पर इससे जुड़े डेटा साझा करने, पारदर्शी समन्वय और 'एक टीम, एक रणनीति' पर काम करें। साथ ही जरूरी है कि संबंधित अधिकारी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ काम करें। इस दौरान सात राज्यों के अधिकारियों ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग रोकने व नकली दवाइयों पर रोक लगाने के लिए सहयोग करने पर सहमति जतायी। इस नई चुनौती के मुकाबले के लिए विशेष प्रशिक्षण और सात राज्यों के ड्रग कंट्रोलरों और पुलिस अधिकारियों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान पर सहमति बनी। इसमें दो राय नहीं कि यह जहरीला कारोबार सिर्फ स्थानीय मुद्दा नहीं है बल्कि विभिन्न राज्यों के बीच साझा चुनौती बना हुआ है, जिसका मुकाबल डेटा साझेदारी और पारदर्शी समन्वय से ही संभव है। खासकर सीमावर्ती राज्यों को तो अंतर्राष्ट्रीय व अंतरराज्यीय तस्करों से मुकाबले के लिए मिलकर काम करना बेहद जरूरी है। यही वजह है कि चंडीगढ़ में आयोजित सेमिनार के निष्कर्ष राज्य व केंद्र सरकार को भेजने का निर्णय लिया गया ताकि साझी रणनीति तय की जा सके। दरअसल, हाल के दिनों में पंजाब व देश के समुद्री सीमा से जुड़े राज्यों में नशीले पदार्थों की जो बड़ी खेपें बरामद हुई हैं, उसने पूरे देश की चिंता बढ़ाई है।

इनोवेशन के लिए साइंस कम्युनिकेशन सबसे ज़रूरी है

(लेखक - संजय गोस्वामी)

आज देश को विज्ञान की सही जानकारी हेतु विज्ञान संचार बहुत जरुरी है, यदि आप बेरोजगार हैं, तो इन वास्तविकताओं का सामना करने से आप अक्सर अभिभूत, उदास और निराश महसूस कर सकते हैं। वैश्विक महामारी के लिए ये वैध प्रतिक्रियाएं हैं, लेकिन इनोवेशन के लिए साइंस कम्युनिकेशन या विज्ञान संचार सबसे ज़रूरी है सकारात्मक बने रहेगें विज्ञान संचार को हम यूं समझ सकते है, जैसे कि वैज्ञानिक जानकारियों जहां से पैदा हो रही हैं। वहां से लेकर उन जानकारियों के प्रयोग करने वालों तक पहुंचाना। इसके लिए विभिन्न प्रकार के माध्यम अपनाए जाते हैं। विज्ञान संचार को दो भागों में बांटा जा सकता है। पहला शोधपरक विज्ञान संचार और दूसरा लोकप्रिय विज्ञान संचार। लैब में होने वाले शोधों की जानकारी तकनीकी भाषा में होती है। इसे आम आदमी सुगमता से नहीं समझ सकता। लोकप्रिय विज्ञान संचार में यह परेशानी आती है कि विज्ञान की कठिन बातों को सरल कैसे बनाया जाए और आम लोगों तक पहुंचाया जाए। सबसे बड़ी समस्या यह है कि रिसर्च पेपर की भाषा को आम लोग समझ नहीं पाते और वैज्ञानिक आम जन की भाषा को नहीं समझ पाते। यहीं पर परेशानियां पैदा होती हैं। वास्तव में विज्ञान के जटिल तर्कों को सरल भाषा में जो भी आम लोगों तक पहुंचा देगा वही एक सफल विज्ञान संचारक कहलाएगा। वास्तव में विज्ञान संचार के दो प्रमुख उद्देश्य हैं-विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की जानकारी आम जन तक पहुंचाना और उनमें वैज्ञानिक-तकनीकी दृष्टिकोण का विकास करना। किसी भी व्यक्ति में जब वैज्ञानिक दृष्टिकोण समाहित होने की बात की जाए तो इसका अर्थ यह होगा कि उसमें सोच, आचरण, व्यवहार और निर्णय लेने के स्तरों पर वैज्ञानिकता की छाप अवश्य दिखे।इसी छाप को अखिल भारतीय स्तर पर बनाये रखने के लिए हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद, मुंबई द्वारा पिछले 57 वर्ष से लगातार विज्ञान संचार किया जा रहा जिसमें किसी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष श्री आर के मिश्र का हिंदी विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान के लिए उनके हिंदी विज्ञान में एक नई क्रांति मुंबई के वैज्ञानिकों ने 1968 में भारतीय वैज्ञानिक द्वारा हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद की नींव मुंबई में रखी और 2साल बाद वैज्ञानिक पत्रिका का सतत प्रकाशन हुआ जो आज भी ऑनलाइन माध्यम से चल रही है। अतः राष्ट्रीय अस्तर पर हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद ही एक मात्र ऐसी संस्था बची इसमें परिषद के पूर्व कार्यकारी सचिव श्री राजेश कुमार मिश्र का सबसे अधिक और अहम् योगदान रहा जो इतिहास के पन्नों में दर्ज होगा, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक और हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष राजेश कुमार मिश्र , दिनांक 30. 11.2025 मे केंद्र से सेवानिवृत्त हो रहे हैं । फिलहाल वे परिषद द्वारा प्रकाशित होने वाली राष्ट्रीय पत्रिका के संपादक मंडल मे हैं इसके पूर्व उन्होंने जून 2022 से सितम्बर 2025 तक वैज्ञानिक पत्रिका के मुख्य संपादक के रूप में सफलतापूर्ण कार्य किया।उनके कार्यकाल में जो अंक प्रकाशित हुए उसमें आजादी के अमृत महोत्सव पर देश में विज्ञान का 75 साल में विकास, टेक्नोलॉजी विशेष अंक, वैज्ञानिक अनुक्रर्म विशेष,विज्ञान संचार विशेष, महान वैज्ञानिक योगदान अंक, व हाल ही में महान वैज्ञानिक परमाणु वैज्ञानिक डॉ आर चिदंबरम जो पूर्व में मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार थे जिनका 1998 में भारत के पोखरण -2 में मुख्य भूमिका रही उनके निधन पर श्रद्धांजलि के रूप में डॉ आर चिदंबरम स्मृति अंक वैज्ञानिकों व विज्ञान पाठकों के लिए बहुत ही शानदार रहा जिसके लिए भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव महोदय ने अंक हेतु अपनी शुभकामना संदेश देकर वैज्ञानिक में नई संजीवनी दि, जो विज्ञान के प्रकाश से जगमगाते रहे।श्री राजेश कुमार मिश्रजी ने विज्ञान संचार हेतु वैज्ञानिक को नवाचार और देश के विज्ञान गतिविधियों को पत्रिका में स्थान देकर देश को विज्ञान संचार के क्षेत्र में अहम योगदान दिया है और लगातार अपनी सेवा निस्वार्थ भाव से देते आ रहें है।इसके पहले वे वह हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद में लगभग 18 सालों या उससे अधिक समय से सक्रिय रूप से जुड़े रहे इसके लिए उन्होंने परिषद द्वारा आयोजित कई राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी में संयोजक के रूप मे महत्वपूर्ण योगदान दिया व हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद द्वारा आयोजित प्रश्न मंच कार्यक्रम मे भी संयोजन मे सफलतापूर्वक काम किया हिंदी विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान हेतु परिषद द्वारा उन्हे हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद स्वर्ण जयंती समारोह, में भारत के महान वैज्ञानिक स्व डॉ चिदंबरम जैसे महान वैज्ञानिक को मंच पर मुख्य अथिति के रूप में बुलाये जाने का पूरा श्रेय जाता है।इसके अलावा वे विज्ञान वार्ता, स्वास्थ्य संगोष्ठी, वैज्ञानिक पत्रिका के व्यवस्थापण मे भी मुख्य भूमिका प्रदान किया गया. उन्होंने विज्ञान अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी, दोनों ही क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। एक प्रभावी विज्ञान संचारक के नाते जन सामान्य संबंधित विषयों की वैज्ञानिक जानकारी/ज्ञान के संचार तथा लोकप्रियकरण की दिशा में स्वयंसेवी भाव से लगातार कार्य करते रहे हैं और वैज्ञानिक पत्रिका मे संपादक मंडल मे बने रहेंगे। सेवानिवृत्ती के अवसर पर आपको हिंदी विज्ञान में उल्लेखनीय योगदान हेतु अनेक बधाइयां तथा भविष्य के सुखद एवं निरोगी सुदीर्घ पारिवारिक जीवन के लिए शुभकामनाएं !.हिंदी विज्ञान में उनके अहम् योगदान हेतु पूरा देश गौरव महसूस करेगा हिंदी विज्ञान के लिए किया गया उनका कार्य निश्चित रूप से सभी को प्रेरणा देगी । निश्चित तौर पर विज्ञान संचारकों के लिए वैज्ञानिकता का प्रचार प्रसार करना एक बड़ीचुनौती है। विज्ञान संचार के लिए खोजे गए सूत्रों और तत्वों के आधार पर बहुत कुछ किया जा सकता है। नए पीढ़ी के लोगों के लिए चुनौतियां काफी हैं। यह भी साफ है कि केवल विज्ञान की जानकारी रखने वाले लोग ही अच्छे विज्ञान संचारक नहीं होते बल्कि जिनमें वैज्ञानिक समझ विकसित हो जाती है ,अतः विज्ञान संचार बहुत जरुरी है ।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सबसे बड़ी दौलत

चिंतन मनन

एक विधवा अध्यापिका के दो बेटे थे। वह उन्हें गुरुकुल में अच्छी शिक्षा दिला रही थी। वह खुद भी अनेक बच्चों को संस्कृत पढ़ाती थी। इससे उसे जो कुछ प्राप्त होता था, उसी से वह अपना जीवनयापन करती थी। उसने अत्यंत गरीबी के दिनों में भी कभी किसी के आगे हाथ नहीं फैलाए। उसके स्वाभिमान को देख अनेक लोग अध्यापिका का बहुत आदर करते थे।

एक दिन एक बहुत बड़े सेठ को अध्यापिका की विद्वता व उसकी निर्धनता के बारे में मालूम हुआ। उस सेठ के कोई संतान नहीं थी। उसने सोचा हुआ था कि वह कुछ गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए उन्हें धन प्रदान करेगा। सेठ अध्यापिका के घर पहुंचा और बोला, देवी, आप निर्भीक व स्वाभिमानी हैं। मैं चाहता हूं कि आपके बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करें। उसके लिए आप यह कुछ रुपये स्वीकार करें। इसके बाद उसने रुपयों की थैली अध्यापिका की ओर बढ़ाई। अध्यापिका हाथ जोड़कर सेठ से बोली, शायद आपको कुछ भ्रम हो गया है। मैं इतनी गरीब भी नहीं हूं कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा न दे पाऊं। मेरे पास जितनी दौलत है, उतनी शायद ही किसी के पास हो। सेठ अचरज से बोला, कहां है दौलत, जरा हमें भी तो बताइए।

अध्यापिका ने अपने दोनों पुत्रों को आवाज लगाई तो दोनों पुत्र तुरंत वहां आए और अपनी मां के पैर छूने के बाद उन्होंने सेठ के पैर छुए। फिर उन्होंने मां से पूछा, कहिए कैसे याद किया? दोनों पुत्रों की ओर देखकर अध्यापिका बोली, यही दोनों मेरी सबसे बड़ी दौलत हैं। दोनों लड़कों को देखकर सेठ अभिभूत हो गया और बोला, बिल्कुल सही। वास्तव में जिसकी संतान संस्कारी और गुणी है, वह कभी गरीब हो ही नहीं सकता। अध्यापिका ने सेठ से कहा, जो कुछ आप मुझे देने आए हैं, उसे अनाथ बच्चों को शिक्षित करने के लिए दे दें। सेठ ने वैसा ही किया।

विचार मंथन

एसआईआर के मकडजाल, किसी को नहीं मिल रहा निकलने का रास्ता

(लेखक-सनत जैन)

केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर का जो मकडजाल बुना गया है। इस मकडजाल में फंसकर अब चुनाव आयोग भी फड़फड़ा रहा है, लेकिन उससे बाहर निकलने का कोई रास्ता उसे भी नहीं मिल रहा है। विपक्षी दल एसआईआर की मार से कराह रहे हैं उन्हें भी इस एसआईआर के मकडजाल से निकलने का कोई रास्ता नहीं मिल रहा है। सुप्रीम कोर्ट में पिछले 5 महीने से एसआईआर को लेकर सुनवाई चल रही है। सुप्रीम कोर्ट के महान न्यायाधीशों को भी समझ में नहीं आ रहा है। इस एसआईआर के मकडजाल से वह कैसे बाहर निकलें। खंडपीठ के न्यायाधीश इस मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बन गए। इसके बाद भी एसआईआर की सुनवाई खत्म नहीं हुई, ना ही कोई अंतिम फैसला सुप्रीमकोर्ट इतने महीने के बाद भी कोई रास्ता निकाल पा रही है। कई राज्य सरकारों ने अलग-अलग पिटीशन सुप्रीम कोर्ट में दाखिल कर रखी हैं। देश के महान अधिवक्ता इस मामले में लगातार अपनी दलीलें रख रहे हैं। तारीख पर तारीख के अलावा उनके हाथ में कुछ नहीं लग पा रहा है। एसआईआर की जब सुनवाई शुरू हुई थी, उस समय बिहार विधानसभा चुनाव के लिए कई महीने बाकी थे। चुनाव आयोग ने वहां चुनाव भी करा दिया, लेकिन जिस विवाद को लेकर विपक्ष और स्वयंसेवी संगठन सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे, वह आज भी नतीजे को लेकर अपना हाथ मल रहे हैं। चुनाव आयोग की जादूगरी और दूरदर्शिता को लेकर सभी विपक्षी दल हैरान और परेशान है। एसआईआर बाद में शुरू होती है, चुनाव आयोग पहले ही संभावना व्यक्त कर देता है, कि इतने लाख वोट इस राज्य में कटेंगे। चुनाव आयोग जो कहता है, और जो करना चाहता है, वह कर पाता है। सुप्रीम कोर्ट हर बार सुनवाई करने के बाद यह कहती है, यदि कोई गड़बड़ी होगी तो वह एसआईआर को निरस्त कर देंगे। इसी बीच बिहार राज्य के चुनाव संपन्न हो गए। चुनाव परिणाम आ गये,वहां पर एनडीए गठबंधन की सरकार भी बन गई। भाजपा ने जो दावे किए थे। उससे ज्यादा सीटें उन्हें बिहार में मिल गई हैं। अब 12 राज्यों में एसआईआर चल रही है। चुनाव आयोग की इस कार्रवाई से 12 राज्यों के मतदाताओं का जीवन दूभर हो गया है। मतदाता 2003 की मतदाता सूची में अपने जिंदा और मरे हुए पूर्वजों और रिश्तेदारों को खोज रहे हैं। कहीं कुछ मिल रहे हैं, कहीं नहीं मिल पा रहे हैं। कुछ रिश्तो को चुनाव आयोग मानता नहीं है। रही सही कसर बीएलओ और असिस्टेंट बीएलओ पूरी कर रहे हैं। जितने कम समय में सघन परीक्षण करवाया जा रहा है। वह उतने कम समय में संभव ही नहीं है। चुनाव आयोग हथेली में दही जमाना चाहता है, या दही के बहाने कुछ और जमाना चाहता है। इसको लेकर तरह-तरह की बातें सामने आने लगी हैं। हाल ही में मध्य प्रदेश के दतिया में भारतीय जनता पार्टी और संघ के पदाधिकारियों को दतिया के निर्वाचन अधिकारी ने असिस्टेंट बीएलओ बनाकर उन्हें मतदाता सूची के काम में लगा दिया था। मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इस तरह की नियुक्ति पर आपत्ति जताई, जांच कराई गई तो जीतू पटवारी के आरोप सही पाए गए। उसके बाद दतिया कलेक्टर ने माफी मांगते हुए चुनाव अधिकारी को निलंबित किया। जो असिस्टेंट बीएलओ बनाए गए थे उनकी नियुक्तियां निरस्त की गई। एसआईआर को लेकर अन्य राज्यों में नये -नये कारनामे उजागर हो रहे हैं। बिहार के बीएलओ ने बिना मतदाता के घर जाए मनमाने तरीके से जिसके वोट बनाने थे, उनके बना दिए। लगभग 62 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम काट दिये। जिनके नाम कटे, उनमे अधिकांश मुस्लिम और गरीब थे। जिनके नाम अंतिम समय जोड़े गए। राजनैतिक दल उसकी सूची खोज रहे हैं। चुनाव आयोग से वह सूची नहीं मिल रही है। सरकार और सुप्रीमकोर्ट की सरपरस्ती होने से चुनाव आयोग बिना किसी विचार विमर्श के मनमाने निर्णय ले रहा है। अभी तक 30 से अधिक बीएलओ की मौते विभिन्न राज्यों में हो चुकी हैं। बीएलओ अलग - अलग राज्यों में प्रदर्शन कर रहे हैं। विपक्षी दल इसे हत्या बता रहे हैं। चुनाव आयोग मानने तैयार नहीं है, बीएलओ की मौतें चुनाव काम के दबाव से हुई हैं। बिहार में एसआईआर के बाद लाखों मतदाताओं के नाम कट गए। अभी भी मतदाता सूची में डुप्लीकेट वोटर बने हुए हैं। इतने सघन परीक्षण के बाद भी लाखों मतदाताओं की गड़बड़ी बनी हुई है। चुनाव आयोग जादूगर की तरह जो करतब दिखा रहा है। देश के लोग खुली आंखों से जादू देख रहे हैं। जादे के इस करतब को लोग चुनाव आयुक्त के कार्यों को जिस तरह से किया जा रहा है। उनके पास विश्वास करने के अलावा कोई विकल्प भी नहीं है। केन्द्र सरकार और न्यायपालिका से मिले वरदान के कारण चुनाव आयोग अजेय है। न्यायपालिका चुनाव आयोग को नियंत्रित कर सकती है। चुनाव आयोग को जो वरदान मिला हुआ है। उसकी काट न्यायपालिका के पास नहीं है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विवेक चतुर्वेदी बने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के नए चेयरमैन

आईआरएस अधिकारी चतुर्वेदी संजय कुमार अग्रवाल की जगह संभालेंगे

नई दिल्ली केंद्रीय सरकार ने भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) के 1990 बैच के अधिकारी विवेक चतुर्वेदी को **केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) का नया चेयरमैन नियुक्त किया है। यह नियुक्ति कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के आदेश और मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति की मंजूरी के बाद की गई। चतुर्वेदी संजय कुमार अग्रवाल का स्थान लेंगे, जो 30 नवंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इससे पहले, चतुर्वेदी सीबीआईसी के सदस्य और विभाग में प्रधान महानिदेशक (विजिलेंस) के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने राजस्व खुफिया निदेशालय में विभिन्न पदों पर काम किया है और उनके पास जांच कार्यों का व्यापक अनुभव है। नियुक्ति के साथ, विवेक चतुर्वेदी अब देश में अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क नीतियों के कार्यान्वयन और निगरानी की जिम्मेदारी संभालेंगे।

एसबीआई 1 दिसंबर से बंद करेगा एमकेश फीचर

ग्राहकों को यूपीआई, आईएमपीएस और आरटीजीएस जैसे डिजिटल विकल्पों के उपयोग की सलाह

मुंबई देश का सबसे बड़ा सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) अपने ग्राहकों के लिए एक बड़ा बदलाव लागू करने जा रहा है। बैंक ने घोषणा की है कि वह अपने एमकेश फीचर को 30 नवंबर के बाद पूरी तरह बंद कर देगा। यानी कि 1 दिसंबर से यह सेवा स्थायी रूप से उपलब्ध नहीं होगी। एमकेश एक डिजिटल पेमेंट सुविधा थी, जिसके जरिए ग्राहक बिना किसी बेनिफिशियरी को जोड़े केवल मोबाइल नंबर या ईमेल आईडी के माध्यम से तुरंत पैसे भेज सकते थे। इस सेवा में पैसे प्राप्त करने वाले को सुरक्षित लिंक और आठ अंकों का पासकोड मिलता था, जिससे राशि किसी भी बैंक खाते में ट्रांसफर की जा सकती थी। यह सुविधा खासकर छोटे और त्वरित लेनदेन के लिए बेहद उपयोगी मानी जाती थी। हालांकि यूपीआई और आईएमपीएस विकल्प अधिक सुरक्षित और तेज़ हैं, लेकिन कुछ उपयोगकर्ताओं को अब अपनी बैंकिंग आदतों में बदलाव करना होगा। एसबीआई की यह पहल डिजिटल भुगतान प्रणाली को और अधिक सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने की दिशा में एक कदम है।

ब्लैक फ्राइडे सेलः मॉल और ब्रांडों को बिक्री में दो अंकों की बढ़त की उम्मीद

डीएलएफ, फीनिक्स और नेक्सस मॉल्स में सप्ताह भर चलने वाली सेल से बढ़ी ग्राहकों की संख्या

नई दिल्ली इस वर्ष ब्लैक फ्राइडे सेल केवल एक दिन की बिक्री नहीं रह गई है, बल्कि अब यह सप्ताह भर चलने वाला कार्यक्रम बन गया है। इसका उद्देश्य अक्टूबर के बाद आई खरीदारी की सुस्ती को खत्म करना और बाजार में उत्साह बढ़ाना है। डीएलएफ रिटेल की एक वरिष्ठ अे धिकारी के अनुसार इस सेल ने मॉल्स में ग्राहकों की आवाजाही में 20 प्रतिशत की वृद्धि की है और बिक्री में डबल डिजिट वृद्धि की उम्मीद है। फीनिक्स मॉल्स भी इस सप्ताहांत आधी रात तक खुले रहेंगे, जहां बेहतर शॉपिंग अनुभव ग्राहकों को आकर्षित कर रहा है। नेक्सस सेलेक्ट मॉल्स ने बड़े उपहार और ऐप पर बिल अपलोड करने पर दोगुना रिवॉर्ड पॉइंट जैसे ऑफ़र पेश किए हैं। अब परंपरागत इलेक्ट्रॉनिक्स और सौंदर्य उत्पादों के साथ-साथ फैशन और एक्सेसरीज में भी बिक्री में वृद्धि देखी जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस सेल से मॉल्स को साल के अंत तक अच्छे कारोबार और ग्राहकों की लगातार बढ़ती संख्या का लाभ मिलेगा।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत की जीडीपी दूसरी तिमाही में 8.2 फीसदी उछली

विनिर्माण क्षेत्र की 9.1 फीसदी की छलांग से जीडीपी अनुमान से ऊपर

नई दिल्ली

चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में भारत की आर्थिक वृद्धि 8.2 फीसदी पर पहुंच गई, जो वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच छह तिमाहियों में सबसे ऊंचा स्तर है। यह वृद्धि दर आधिकारिक और निजी संस्थानों द्वारा अनुमानित 7 से 7.5 फीसदी तथा भारतीय रिजर्व बैंक के 7 फीसदी अनुमान से भी काफी अधिक रही। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक कम आधार प्रभाव और सॉफ्ट डिफ्लेटर ने वृद्धि को गति दी, लेकिन सबसे बड़ा योगदान विनिर्माण क्षेत्र से मिला। विनिर्माण ने अमेरिकी शुल्क दबाव के बावजूद 9.1 फीसदी की मजबूत वृद्धि दर्ज कर अपनी लचीली क्षमता का प्रदर्शन किया। जुलाई-सितंबर में नॉमिनल जीडीपी 8.7 फीसदी बढ़ी, जबकि वित्त मंत्रालय ने पूरे वित्त वर्ष के लिए इसे 10.1 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। वास्तविक और नॉमिनल वृद्धि के बीच अंतर वित्त वर्ष 2020 की तीसरी तिमाही के बाद सबसे कम रहा है। नॉमिनल वृद्धि में कमी से कर संग्रह के लक्ष्य पर असर पड़ सकता है और केंद्र सरकार के लिए राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 4.4 फीसदी पर सीमित रखना कठिन हो सकता है। पहली तिमाही की 7.8 फीसदी वृद्धि के बाद वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में औसत जीडीपी वृद्धि 8 फीसदी रही है, जिससे अर्थशास्त्रियों ने अपने वार्षिक अनुमान संशोधित किए हैं।

पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों में मिलाजुला रुख

जयपुर में भाव बढ़े, पटना में घटे

नई दिल्ली देश के प्रमुख शहरों में शनिवार को पेट्रोल की कीमतों में मिश्रित रुख देखने को मिला। कुछ शहरों में कीमतों में मामूली कटौती हुई, जबकि जयपुर में दाम बढ़ गए। तेल विपणन कंपनियां रोज सुबह 6 बजे नई दरें जारी करती हैं। शे निवार को पेट्रोल की कीमतों में प्रति लीटर 0.14 से 0.58 रुपए तक की कमी और कुछ शहरों में 0.38 रुपए तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। अधिकांश शहरों में भाव स्थिर रहे। मुंबई में कीमत 103.50 और चेन्नई में 101.03 पर स्थिर रही। गुड़गांव, बैंगलोर, चंडीगढ़, हैदराबाद और लखनऊ में भी कोई बदलाव नहीं हुआ। नोएडा में 0.14 और भुवनेश्वर में 0.09 रुपए प्रति लीटर की कटौती हुई। जयपुर में 0.38 की बढ़ोतरी के साथ कीमत 105.07 रुपए हो गई। पटना में सबसे बड़ा बदलाव आया, यहां 0.58 रुपए घटकर दाम 105.53 रुपए हो गए।

कॉइन डीसीएक्स के थर्ड पार्टी डेटा प्रदाता मिक्सपैनल में सेंधमारी

कुछ उपयोगकर्ताओं के डेटा तक पहुंच, लेकिन पासवर्ड और फंड सुरक्षित

नई दिल्ली भारतीय क्रिप्टो एक्सचेंज कॉइन डीसीएक्स ने पुष्टि की कि उसके थर्ड पार्टी डेटा एनालिटिक्स प्रदाता मिक्सपैनल के सिस्टम में हुई सेंधमारी से कुछ उपयोगकर्ताओं का डेटा लीक हुआ है। कंपनी ने अपने उपयोगकर्ताओं को भेजे ईमेल में कहा कि सेंधमारी का कॉइन डीसीएक्स के बुनियादी ढांचे या उपयोगकर्ताओं के फंड पर कोई असर नहीं पड़ा। मिक्सपैनल ने 8 नवंबर को हुई सेंधमारी की जानकारी दी, जबकि कॉइन डीसीएक्स को इसके बारे में हाल ही सूचित किया गया। कंपनी के अनुसार, प्रभावित डेटा में उपयोगकर्ताओं के नाम और प्लेटफॉर्म पर उनके उपयोग की अवधि जैसी जानकारी शामिल हो सकती है। हालांकि, पासवर्ड, ओटीपी, सीड फ्रेज या अन्य संवेदनशील जानकारी सुरक्षित रही। कॉइन डीसीएक्स ने स्पष्ट किया कि सेंधमारी खास तौर पर उन्हें लक्षित नहीं करती थी और मिक्सपैनल के अन्य बड़े ग्राहकों को भी प्रभावित किया गया। कॉइन डीसीएक्स के पास 2 करोड़ से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ता हैं, लेकिन कंपनी ने प्रभावित उपयोगकर्ताओं की संख्या का खुलासा नहीं किया। इस घटना की पुष्टि के लिए कंपनी ने मिक्सपैनल के साथ सहयोग किया और आंतरिक सुरक्षा प्रक्रियाओं की समीक्षा शुरू की।

विदेशी प्रवाह और वैश्विक रुझानों के बीच हफ्ते शेयर बाजार में रहा उतार-चढ़ाव

बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी ने बनाए नए रिकॉर्ड

मुंबई

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों ने उतार-चढ़ाव का सामना किया। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों ही सूचकांक सप्ताह की शुरुआत में शुरुआती तेजी के साथ खुले, लेकिन घरेलू और वैश्विक कारकों के मिश्रित प्रभाव ने हफ्ते भर बाजार के रुझान को बदलते रखा। सप्ताह के पहले दिन सोमवार को आईटी शेयरों में मजबूती और वैश्विक बाजार में सकारात्मक रुझानों के कारण सेंसेक्स 218 अंक और निफ्टी 69 अंक बढ़कर खुले। हालांकि, विदेशी फंडों की बिकवाली और निवेशकों की धारणा में नकारात्मक प्रभाव के चलते दिन का समापन सेंसेक्स में 331 अंक और निफ्टी में 108 अंक की गिरावट के साथ हुआ। मंगलवार को घरेलू बाजार पर बिकवाली का दबाव बढ़ा। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 125 अंक और निफ्टी 35 अंक गिर गए। दिन के अंत में सेंसेक्स 313 अंक और निफ्टी 93 अंक की गिरावट के साथ बंद हुए, जिससे लगातार दूसरे दिन लाल निशान पर बंद होने से निवेशकों की चिंता बढ़ी। बुधवार को तीन दिन की गिरावट के बाद बाजार ने मजबूती दिखायी। वैश्विक बाजारों में तेजी और ताजा विदेशी पूंजी प्रवाह ने सेंसेक्स को 1022 अंक और निफ्टी को 320 अंक की बढ़त दिलाई। गुरुवार को सेंसेक्स 86,000 के पार और निफ्टी 26,295 के सर्वकालिक उच्च स्तर तक पहुंचकर इतिहास रचा। हालांकि, शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत डॉलर और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के दबाव में शुरुआती तेजी के बावजूद सेंसेक्स 14 अंक और निफ्टी 13 अंक की गिरावट के साथ सप्ताह का समापन हुआ। बीते सप्ताह के रुझानों से स्पष्ट होता है कि भारतीय शेयर बाजार विदेशी निवेश और वैश्विक आर्थिक संकेतकों के प्रति अत्यंत संवेदनशील है। शुरुआती तेजी के बावजूद विदेशी फंडों की निकासी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुद्रास्फीति व तेल कीमतों में बदलाव सीधे बाजार पर प्रभाव डालते हैं। निवेशकों के लिए यह सप्ताह सावधानी और रणनीति दोनों का संकेत देता है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता जल्द संभव

जवाबी शुल्क पर समाधान अंतिम चरण में

नई दिल्ली

भारत को उम्मीद है कि वर्ष के अंत तक अमेरिका के साथ संरचनात्मक व्यापार समझौता अंतिम रूप ले सकता है। दोनों देशों ने पिछले कुछ महीनों में वार्ताकार स्तर पर अधिकांश विवादित मुद्दों को सुलझा लिया है, जिनमें भारत पर लगाए गए 25 प्रतिशत के जवाबी शुल्क भी शामिल हैं। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने फिक्की की 98वीं वार्षिक आम बैठक में बताया कि समझौता तभी सार्थक होगा जब अमेरिकी पक्ष भारतीय निर्यात पर लगाए गए दो तरह के शुल्कों 25 प्रतिशत जवाबी शुल्क और रूसी तेल की खरीद से जुड़े 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क दोनों का समाधान करे। ये शुल्क अगस्त से लागू हुए थे और भारतीय निर्यातकों पर भारी बोझ डाल रहे हैं। अग्रवाल के अनुसार भारत और अमेरिका दो समानांतर ट्रैक पर बातचीत कर रहे हैं। पहला, व्यापक द्विपक्षीय व्यापार करार है, जिसे पूरा होने में समय लगेगा। दूसरा, संरचनात्मक व्यापार समझौता है जिसका उद्देश्य भारतीय निर्यात पर लगे कुल 50 प्रतिशत शुल्क बोझ को कम करना है। उन्होंने कहा कि लगभग आधा दर्जन दौर की वार्ता हो चुकी है और अब बहुत कम मुद्दे बचे हैं, जिनमें से कुछ पर राजनीतिक स्तर पर अंतिम निर्णय लिए जाने की आवश्यकता है। अक्टूबर में वाशिंगटन में अनौपचारिक दौर के बाद अब अमेरिकी अधिकारियों की टीम आगे की बातचीत के लिए नई दिल्ली आ सकती है।

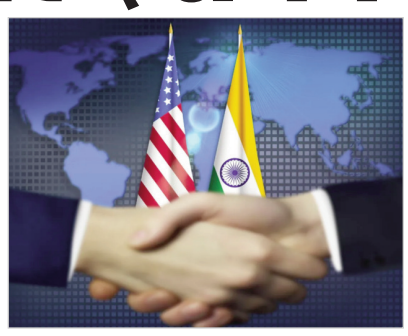

अक्टूबर में हवाई यात्रा की मांग 6.6 फीसदी बढ़ी

हवाई माल परिवहन भी लगातार आठवें महीने बढ़ा

नई दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) के आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर 2025 में वैश्विक हवाई यात्रा की मांग में 6.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह वृद्धि राजस्व यात्री किलोमीटर (आरपीके) के आधार पर मापी गई है। अंतरराष्ट्रीय यात्रा की मांग 8.5 प्रतिशत बढ़ी, जबकि घरेलू यात्रा में 3.4 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। कुल क्षमता 5.8 प्रतिशत बढ़ी और लोड फैक्टर 84.6 प्रतिशत पर पहुंच गया, जो पिछले साल से 0.7 प्रतिशत अधिक है। एयरलाइंस ने अंतरराष्ट्रीय मार्गों के लिए 7.1 प्रतिशत और घरेलू मार्गों के लिए 3.6 प्रतिशत क्षमता बढ़ाई। क्षेत्रीय प्रदर्शन में पश्चिम एशिया में 10.5 प्रतिशत, अफ्रीका में 8.8 प्रतिशत, एशिया-पैसिफिक में 8.1 प्रतिशत, यूरोप में 6.7 प्रतिशत, लातिन अमेरिका और कैरिबियन में 6.1 प्रतिशत और उत्तरी अमेरिका में 2.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। आईएटीए के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि अक्टूबर का प्रदर्शन अच्छा रहा और साल के अंतिम दो महीने के लिए ट्रेंड उत्साहजनक है। शेड्यूल के अनुसार, नवंबर में सीट क्षमता 3.6 प्रतिशत और दिसंबर में 4.7 प्रतिशत बढ़ेगी। हवाई माल परिवहन की मांग में भी अक्टूबर में 4.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो लगातार आठवें महीने दर्ज की गई है।

आईएमएफ करेगा भारत के राष्ट्रीय लेखा डेटा की 'सी' रेटिंग का अपग्रेड

नई राष्ट्रीय लेखा श्रृंखला और सुधारों के बाद रेटिंग में सुधार का संकेत

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) जल्द ही भारत के राष्ट्रीय लेखा डेटा के लिए अपनी वर्तमान 'सी' रेटिंग को अपग्रेड करने वाला है। यह कदम ऐसे समय में उठाया जा रहा है जब केंद्र सरकार फरवरी 2026 में खुदरा महंगाई और आर्थिक उत्पादन को ट्रैक करने के लिए नई राष्ट्रीय लेखा श्रृंखला जारी करने वाली है। आईएमएफ ने इस सप्ताह जारी रिपोर्ट में लगातार दूसरे साल भारत के डेटा को 'सी' रेटिंग दी, जो चार स्तर वाले पैमाने में दूसरा सबसे निचला स्तर है। इसका मतलब है कि आंकड़ों में कुछ कमियां हैं, लेकिन वे आर्थिक निगरानी के लिए पर्याप्त हैं। आईएमएफ के बोर्ड में कार्यकारी निदेशक ऊर्जित पटेल और अन्य अधिकारियों ने बयान में कहा कि वे पिछले परामर्श के बाद भारत के आधिकारिक आंकड़ों में सुधारों की सराहना करते हैं और फरवरी 2026 में प्रकाशित होने वाली नई डेटा श्रृंखला के बाद रेटिंग अपग्रेड की जाएगी। आईएमएफ के कर्मचारियों ने माना कि भारत में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) निर्धारित करने के तरीके में सुधार के साथ राष्ट्रीय लेखा बेंचमार्क में बदलाव की प्रक्रिया जारी है। इसके अलावा, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में शामिल वस्तुओं और उनके भारांश में भी बदलाव किया जा रहा है ताकि मौजूदा उपभोग पैटर्न का बेहतर प्रतिनिधित्व किया जा सके। विशेषज्ञों के अनुसार, इस अपग्रेड से वैश्विक निवेशकों और आर्थिक विश्लेषकों के लिए भारत के आर्थिक आंकड़ों की विश्वसनीयता बढ़ेगी। यह कदम न केवल डेटा की पारदर्शिता को बढ़ावा देता है, बल्कि भारत की आर्थिक निगरानी और नीति निर्माण में सुधार की दिशा में भी महत्वपूर्ण संकेत है।

मेहुल चोकसी को कोर्ट से बड़ा झटका, एफईओ कार्रवाई रद्द करने की याचिका खारिज

ईडी के तर्कों को मानते हुए कोर्ट ने कहा, भारत में पेश हुए बिना 'रचनात्मक हिरासत' का दावा स्वीकार्य नहीं

नई दिल्ली

हीरा कारोबारी और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले के मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी को एक बड़ा कानूनी झटका लगा है। मुंबई की एक विशेष अदालत ने चोकसी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी (एफईओ) घोषित करने की प्रक्रिया रद्द करने की उसकी याचिका खारिज कर दी। चोकसी ने अपने वकीलों के माध्यम से तर्क दिया था कि वह वर्तमान में बेल्जियम की हिरासत में है और भारत के अनुरोध पर गिरफ्तार किया गया है, इसलिए इसे रचनात्मक हिरासत माना जाना चाहिए।

हालांकि, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस तर्क का कड़े शब्दों में विरोध किया और कहा कि चोकसी विदेश में कानूनी कार्यवाही का विरोध केवल इस उद्देश्य से कर रहे हैं कि उन्हें भारत लाया न जाए। ईडी ने अदालत के सामने यह भी कहा कि जब तक चोकसी भारतीय एजेंसियों को सौंपे नहीं जाते और अदालत के समक्ष पेश नहीं होते, तब तक उन्हें एफईओ घोषित करने की प्रक्रिया कानूनी रूप से पूरी तरह उचित है। विशेष न्यायाधीश ने ईडी के तर्कों से सहमति जताते हुए चोकसी की अर्जी खारिज कर दी। अदालत ने माना कि चोकसी लगातार आपराधिक कार्रवाई से बचने की कोशिश कर रहे हैं। चोकसी ने एफईओ घोषित होने का विरोध करने के लिए अब तक 37 आवेदन दायर किए, जिन्हें अदालत ने देरी की रणनीति बताया।

ईडी ने वर्ष 2018 में चोकसी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने की याचिका दायर की थी। कानून के अनुसार एफईओ घोषित होने के बाद सरकार मुकदमे की शुरुआत से पहले ही आरोपी की संपत्तियां जब्त कर सकती है। चोकसी जनवरी 2018 में भारत छोड़कर विदेश भाग गया था और उस पर पीएनबी से फर्जी लेटर्स ऑफ अंडरटेकिंग जारी कर आर्थिक लाभ लेने का आरोप है।

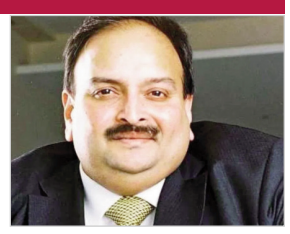

दिसंबर में 18 दिन बंद रहेंगे बैंक, डिजिटल सेवाएं चालू रहेंगी

नई दिल्ली

अगर आप दिसंबर में बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम निपटाने वाले हैं, तो पहले से योजना बना लें। आरबीआई की हॉलिडे लिस्ट के अनुसार पूरे महीने में कुल 18 दिन बैंक बंद रहेंगे। बैंक हॉलिडे कई बार रीजनल और लोकल त्योहारों से जुड़े होने की वजह से हर राज्य में अलग-अलग होते हैं इसलिए जरूरी नहीं कि पूरे 18 दिन देश भर में एक साथ बैंक बंद रहे।

जानें कब-कहां बंद रहेंगे बैंक-

1 दिसंबर (सोमवार) - ईटानगर और कोहिमा- उद्घाटन दिवस/स्वदेशी आस्था दिवस पर बैंक बंद

3 दिसंबर (बुधवार) - **गोवा:** सेंट फ्रांसिस जेवियर पर्व पर बैंक बंद

7 दिसंबर (रविवार) - साप्ताहिक अवकाश

12 दिसंबर (शुक्रवार) - **शिलांग:** पा तोगन नेंगमिनजा संगमा की पुण्यतिथि पर अवकाश

13 दिसंबर (दूसरा शनिवार) - पूरे देश में बैंक बंद

14 दिसंबर (रविवार) - साप्ताहिक अवकाश

18 दिसंबर (गुरुवार) - शिलांग यू सोसो थाम की पुण्यतिथि पर छुट्टी

19 दिसंबर (शुक्रवार) - **पणजी:** गोवा मुक्ति दिवस पर बैंक बंद

20, 21, 22 दिसंबर (शनिवार, रविवार, सोमवार) - **सिक्किम:** लोसूंग/नामसूंग और नए साल के उत्सव पर लगातार तीन दिन अवकाश

24 दिसंबर (बुधवार) - **आइजोल, कोहिमा, शिलांग:** क्रिसमस ईव पर बैंक बंद; बाकी देश में सामान्य कामकाज

25 दिसंबर (गुरुवार) - पूरे देश में क्रिसमस पर बैंक बंद

26 दिसंबर (शुक्रवार) - **आइजोल, कोहिमा, शिलांग:** क्रिसमस सेलिब्रेशन पर बैंक बंद

27 दिसंबर (शनिवार) - चौथा शनिवार, पूरे देश में अवकाश; कोहिमा में क्रिसमस की वजह से भी छुट्टी

28 दिसंबर (रविवार) - साप्ताहिक अवकाश

30 दिसंबर (मंगलवार) - **शिलांग:** यू कियांग नांगबाह की पुण्यतिथि पर बैंक बंद

31 दिसंबर (बुधवार) - **आइजोल और इंफाल:** न्यू ईयर ईव और इमोइनु इराटपा पर अवकाश

डिजिटल सेवाएं रहेंगी चालू- छुट्टियों के दौरान चिंता की जरूरत नहीं है क्योंकि यूपीआई, इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल ऐप और दूसरी डिजिटल सेवाएं सामान्य रूप से चलती रहेंगी।

आईपीओ से इस साल जुटाई जाएगी 1.6 लाख करोड़ से अधिक पूंजी

मीशो, एक्सस और विद्या वायर्स के निर्गम से यह साल आईपीओ के लिए रिकॉर्ड वर्ष बन सकता है

नई दिल्ली

देश का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बाजार इस साल नए रिकॉर्ड की ओर अग्रसर है। विशेषज्ञों के अनुसार मीशो, एक्सस और विद्या वायर्स के निर्गम पूरे होने के बाद आईपीओ के माध्यम से जुटाई गई कुल पूंजी 1.6 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगी। यह पिछले साल के 1.59 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड को पार कर देगा। इस साल अब तक 93 कंपनियों के आईपीओ आए हैं, जो 2007 के बाद सबसे अधिक संख्या है। मीशो 5,421 करोड़ रुपये, एक्सस 922 करोड़ रुपये और विद्या वायर्स 300 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखती हैं। साल की शुरुआत में सेकंडरी बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण आईपीओ गतिविधि धीमी रही। मार्च में कोई नया आईपीओ नहीं आया, जबकि अप्रैल में केवल एक ही निर्गम हुआ। मई से बाजार में सुधार हुआ और जुलाई के बाद हर महीने 10 या उससे अधिक आईपीओ आए। विशेष रूप से, सितंबर में 24 से अधिक कंपनियों का सूचीबद्ध होना जनवरी 1997 के बाद किसी एक महीने में सबसे अधिक था। इक्विरस कैपिटल के एक वे रिष्ठ अे धिकारी का कहना है कि इस तेजी का मुख्य कारण नए बिजनेस मॉडल वाली कंपनियों का बाजार में प्रवेश है। संस्थागत निवेशक अपने पोर्टफोलियो को नए क्षेत्रों के अनुसार अपडेट करना चाहते हैं और आईपीओ में उन्हें बड़ा हिस्सा मिलता है, जबकि सेकंडरी बाजार में यह मुश्किल होता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टीम इंडिया बनाम साउथ अफ्रीका वनडे सीरीज का आगाज आज से

- फैंस उत्साहित एक बार फिर मैदान पर दिखेगी रोहित और विराट की जोड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम और साउथ अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 30 नवंबर से शुरू होने जा रही है। इस सीरीज का पहला मुकाबला रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। इससे पहले टेस्ट सीरीज में साउथ अफ्रीका ने भारत को 0-2 से क्लीन स्वीप किया था, ऐसे में भारतीय टीम की नजरें अब वनडे सीरीज में वापसी और बेहतर प्रदर्शन करने पर टिकी हैं।

भारतीय टीम इस सीरीज में नियमित कप्तान शुभमन गिल के चोटिल होने के कारण केएल राहुल के नेतृत्व में मैदान पर उतरेगी। वहीं, फैंस रोहित शर्मा और विराट कोहली की जोड़ी को एक बार फिर मैदान पर देखने को लेकर उत्साहित हैं। इस जोड़ी की वापसी से टीम इंडिया के बल्लेबाजी क्रम में अनुभव और मजबूती आने की उम्मीद जताई जा रही है, जो इस सीरीज में बड़े मैचों में निर्णायक साबित हो सकती है।

पहला मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे से शुरू होगा, जबकि टॉस के लिए दोनों कप्तान 1 बजे मैदान पर उतरेंगे। रांची का यह मुकाबला भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए रोमांचक होने वाला है, क्योंकि टीम इंडिया यहां अपनी वनडे ताकत का प्रदर्शन करते हुए साउथ अफ्रीका के खिलाफ जीत दर्ज करने का प्रयास करेगी।

भारत को इस सीरीज में संतुलित बैटिंग और गेंदबाजी प्रदर्शन दिखाना होगा। वहीं, साउथ अफ्रीका भी टेस्ट सीरीज की हार के बाद सुधार और जीत की कोशिश करेगी, जिससे मुकाबले में रोमांच और बढ़ जाएगा। यह सीरीज क्रिकेट प्रेमियों के लिए खिलाड़ियों की फार्म और रणनीति को परखने का शानदार अवसर होगी। तीन मैचों की इस वनडे सीरीज में रांची के पहले मैच से ही हाई-टेंशन क्रिकेट देखने को मिलेगा। टीम इंडिया की रणनीति,

खिलाड़ियों की फार्म और मैच के दौरान होने वाले रोमांचक पल इस सीरीज को विशेष बनाएंगे। वनडे सीरीज में प्रदर्शन के आधार पर भारत और साउथ अफ्रीका की आगामी दौड़ और रणनीतियों का भी अंदाजा लगाया जा सकेगा।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत - रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, केएल राहुल (कप्तान, विकेट कीपर), ऋषभ पंत (विकेट कीपर), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल

साउथ अफ्रीका - टेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, डेवाल्ड ब्रेविस, नंद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी ज़ोरज़ी, रुबिन हरमन, केशव महाराज, मार्को जेनसेन, एडेन मार्करम, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेल्टन, प्रेनेलन सुब्रयान

डब्ल्यूपीएल 2026: एमआई और आरसीबी से शुरू होगा नया सीजन, फाइनल वडोदरा में

नई दिल्ली (एजेंसी)। विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 का आगाज़ 9 जनवरी को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में दो बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस (एमआई) और 2024 की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच मैच से होगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने शनिवार को इस सीजन का शेड्यूल जारी किया। उन्होंने बताया कि नवी मुंबई में दो डबल-हेडर मुकाबले होंगे, जबकि फाइनल मुकाबला 5 फरवरी को वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में खेला जाएगा।

डब्ल्यूपीएल 2026 के पहले चरण में 9 से 17 जनवरी तक नवी मुंबई में कुल 11 मुकाबले होंगे। इसके बाद शेष 11 मैच वडोदरा में खेले जाएंगे, जिनमें प्लेऑफ भी शामिल हैं। वडोदरा लेग का आगाज़ गुजरात जायंट्स और आरसीबी के बीच मुकाबले से होगा। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच 2025 के फाइनल का री-मैच भी होगा। मुंबई इंडियंस इस सीजन डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में उतर रही है, जबकि आरसीबी खिताब जीतने वाली दूसरी टीम है। लीग स्टेज 1 फरवरी को समाप्त होगी। इसके बाद दूसरे और तीसरे नंबर पर रहने वाली टीमें एलिमिनेटर में हिस्सा लेंगी, जबकि टेबल टॉपर सीधे 5 फरवरी को फाइनल में पहुंचेगी। डब्ल्यूपीएल 2026 का यह नया सीजन खिलाड़ियों और फैंस दोनों के लिए रोमांचक रहने वाला है, जिसमें नवी मुंबई और वडोदरा दोनों ही स्थानों पर हाई-टेंशन मुकाबले देखने को मिलेंगे।

नवी मुंबई लेग

9 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
10 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम गुजरात जायंट्स
10 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम दिल्ली कैपिटल्स
11 जनवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात जायंट्स
12 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम यूपी वॉरियर्स
13 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम गुजरात जायंट्स
14 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स
15 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम यूपी वॉरियर्स
16 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम गुजरात जायंट्स
17 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम मुंबई इंडियंस
17 जनवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

वडोदरा लेग

19 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
20 जनवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस
22 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम यूपी वॉरियर्स
24 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम दिल्ली कैपिटल्स
26 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम मुंबई इंडियंस
27 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स
29 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
30 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम मुंबई इंडियंस
1 फरवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम यूपी वॉरियर्स
3 फरवरी: एलिमिनेटर
5 फरवरी: फाइनल

आईपीएल नीलामी से पहले पृथ्वी शॉ का धमाका

-सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में तूफानी फिफ्टी के साथ किया कमबैक का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम से बाहर चल रहे युवा सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनका बल्ला अभी भी आग उगलने के लिए तैयार है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में शॉ ने महाराष्ट्र की ओर से खेलते हुए हैदराबाद के खिलाफ सिर्फ 23 गेंदों में तूफानी अर्धशतक जड़कर सबको चौंका दिया। इस विस्फोटक पारी की बदौलत महाराष्ट्र को आसान जीत मिली, वहीं शॉ ने आईपीएल नीलामी से पहले फ्रेंचाइजियों का ध्यान एक बार फिर अपनी ओर खींच लिया।

हैदराबाद द्वारा दिए गए 192 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पृथ्वी शॉ ने क्रीज पर आते ही आक्रामक रुख दिखाया। उन्होंने अपनी 36 गेंदों की पारी में 9 चौके और 3 छक्के जड़ते हुए कुल 66 रन बनाए। शॉ ने अर्शिन कुलकर्णी के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 117 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की और टीम को जीत की मजबूत नींव दी। यह उनके करियर का महाराष्ट्र के लिए पहला टी20 अर्धशतक रहा। ऋतुराज गायकवाड़ की गैरमौजूदगी में टीम की कप्तानी कर रहे शॉ पर दबाव था, लेकिन उन्होंने शानदार अंदाज में खुद को साबित किया। पिछले आईपीएल ऑक्शन में अनसोल्ड रहने के बाद पृथ्वी शॉ ने घरेलू क्रिकेट में जोरदार वापसी की है। मुंबई की टीम से हटने के बाद उन्होंने महाराष्ट्र की ओर से खेलना शुरू किया है और रणजी ट्रॉफी में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उनकी यह पारी बताती है कि वह एक बार फिर बड़े मंच पर वापसी को तैयार हैं।

एक समय भारतीय क्रिकेट का भविष्य माना जा रहे पृथ्वी शॉ को पिछले साल किसी भी आईपीएल टीम ने नहीं खरीदा था। लेकिन अब सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उनका शानदार प्रदर्शन आईपीएल फ्रेंचाइजियों के लिए मजबूत संदेश है। आगामी आईपीएल 2026 ऑक्शन 16 दिसंबर को अबू धाबी में आयोजित किया जाएगा, और शॉ अपने प्रदर्शन से टीमों की नजरों में जगह बनाना चाहते हैं। लगातार तीसरे वर्ष विदेश में होने वाला यह ऑक्शन रोचक होगा, और पृथ्वी शॉ के लिए यह स्वयं को साबित करने का बड़ा मौका है।

विराट कोहली के निशाने पर सचिन तेंदुलकर के दो वर्ल्ड रिकॉर्ड

-सिर्फ एक शतक से बना देंगे नया इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज रविवार, 30 नवंबर से शुरू होने जा रही है और पहला मुकाबला रांची में खेला जाएगा। इस हाई-वोल्टेज सीरीज में टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली एक बार फिर सुर्खियों में होंगे, क्योंकि उनके सामने दो बड़े वर्ल्ड रिकॉर्ड्स को तोड़ने का सुनहरा मौका होगा। ये दोनों रिकॉर्ड महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज हैं, जिन्हें कोहली सिर्फ एक शतक लगाकर पीछे छोड़ सकते हैं। फैंस की निगाहें अब इस बात पर टिकी हैं कि क्या किंग कोहली रांची में इतिहास रचते हुए मास्टर ब्लास्टर का रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे।

पहला रिकॉर्ड किसी भी एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का है। इस समय विराट कोहली वनडे क्रिकेट में 51 शतक जड़ चुके हैं, जो सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी है। सचिन ने अपने करियर में टेस्ट क्रिकेट में 51 शतक लगाए, जबकि कोहली के ये 51 वनडे में हैं। जैसे ही कोहली एक और सेंचुरी बनाएंगे, वह दुनिया के पहले ऐसे क्रिकेटर बन जाएंगे जिन्होंने किसी भी एक फॉर्मेट में 52 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए हों। यह उपलब्धि उन्हें न केवल क्रिकेट इतिहास के सबसे बड़े बल्लेबाजों में और आगे स्थापित करेगी, बल्कि वनडे फॉर्मेट में उनकी बादशाहत भी और मजबूत करेगी।

दूसरा रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाने का है। इस सूची में अभी तीन खिलाड़ी संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर, जिनके नाम 5-5 शतक दर्ज हैं। हालांकि सचिन और वॉर्नर अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, ऐसे में कोहली के सामने इस मामले में अकेले रिकॉर्ड होल्डर बनने का शानदार अवसर है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक और सेंचुरी कोहली को इस टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा 6 शतक लगाने वाला अद्वितीय बल्लेबाज बना देगी।

आईसीसी वर्ल्ड कप 2025 में भारत को शानदार सफलता दिलाने के बाद कोहली की फॉर्म पहले से ज्यादा मजबूत नजर आ रही है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनके आंकड़े भी बेहद प्रभावशाली रहे हैं, और ऐसे में उम्मीद है कि रांची की पिच पर वह एक बार फिर अपने अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए नए इतिहास की इबारत लिखेंगे। भारतीय फैंस उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं कि क्या रविवार का मुकाबला क्रिकेट की किताब में विराट अध्याय जोड़ पाएगा।

रोहित-विराट की वापसी से मैदान में बनेगी खास ऊर्जा : साउथ अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा

रांची। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच रविवार को तीन वनडे मैचों की सीरीज की शुरुआत होने जा रही है। पहला मुकाबला रांची में खेला जाएगा। सीरीज से पहले दक्षिण अफ्रीकी कप्तान टेंबा बावुमा ने रोहित शर्मा और विराट कोहली की मैदान पर वापसी को लेकर बड़ा बयान दिया है। कप्तान बावुमा का मानना है कि इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों के आने से मैच का रोमांच कई गुना बढ़ जाएगा और स्टेडियम में ऊर्जा का अलग ही होगी। एक वीडियो में बावुमा ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह बेहद रोमांचक है, खासकर भारतीय फैंस के लिए होगा। दो दिग्गज खिलाड़ी वापस आ रहे हैं। वे लंबे समय बाद भारत की धरती पर खेल रहे हैं। जब ये दोनों खिलाड़ी मैदान पर मौजूद होते हैं, तब उस ऊर्जा का हिस्सा बनना हमारे लिए भी खास होता है। हम इस पल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।' बावुमा ने बताया कि उनकी टीम रोहित और विराट की मौजूदगी से दबाव महसूस नहीं कर रही, बल्कि तैयारियों में और फोकस जोड़ रही है। हम जानते हैं कि मैदान पर माहौल अलग होगा, लेकिन यह अनुभव उतना ही रोमांचक रहेगा। कप्तान के तौर पर मेरी भूमिका वही रहेगी बल्ले से योगदान देना और टीम को रणनीति के अनुसार लीड करना।' बता दें कि रोहित और कोहली ने आखिरी बार अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज खेली थी। इसके बाद कयास लगाए जा रहे थे कि यह जोड़ी आगामी वनडे वर्ल्ड कप में नहीं खेलेगी, हालांकि प्रशंसकों का विश्वास है कि 'रो-को' फिर भारत की चुनौती को मजबूत करेगी।

सुल्तान अजलान शाह कप: भारत ने कनाडा को 14-3 से हराकर फाइनल में बनाई जगह

इपो (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कनाडा को 14-3 से रौंदते हुए पूल की शीर्ष स्थिति हासिल की और सुल्तान अजलान शाह कप के फाइनल में प्रवेश किया। जुगराज सिंह ने चार गोल किए और शानदार प्रदर्शन से टीम को जीत दिलाई।

इससे पहले भारत को टूर्नामेंट में केवल बेल्जियम से एक गोल से हार मिली थी, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-2 की रोमांचक जीत ने टीम का मनोबल बढ़ा दिया। भारत रविवार को फाइनल में बेल्जियम से भिड़ेगा।

मैच की शुरुआत चौथे मिनट में नीलकंता शर्मा के गोल से हुई, उसके बाद 10वें मिनट में राजिंदर सिंह ने गोल कर भारत को बढ़त दिलाई। कनाडा ने जल्दी गोल के जवाब में पेनल्टी कॉर्नर बनाकर 11वें मिनट में ब्रेंडन गुरालियुक के गोल से

स्कोर 1-2 किया। इसके बाद 12वें और 15वें मिनट में जुगराज सिंह और अमित रोहिदास ने गोल कर भारत को 4-1 की बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारतीय युवा खिलाड़ी दबाव में भी मजबूत रहे और कनाडाई डिफेंस को रोका। इस दौरान राजिंदर (24वें मिनट), दिलप्रीत सिंह (25वें मिनट) और जुगराज (26वें मिनट) ने गोल कर बढ़त 7-1 कर दी।

तीसरे क्वार्टर में कनाडा ने आक्रमण में बदलाव किया और 35वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक से स्कोर 7-2 किया। जुगराज ने 39वें मिनट में हैट्रिक पूरी की और सेल्वम कार्थी ने 43वें मिनट में गोल कर भारत को 9-2 की शानदार बढ़त दिलाई।

अंतिम क्वार्टर केवल औपचारिकता थी, लेकिन इस दौरान सबसे ज्यादा गोल हुए। रोहिदास ने 46वें मिनट में PC गोल किया, जुगराज ने 50वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक से स्कोर बढ़ाया। कनाडा ने भी 3-11 तक वापसी की, जबकि संजय (56वें मिनट) और अभिषेक (57वें और 59वें मिनट) ने गोल कर भारत को 14-3 से जीत दिलाई।

श्रीलंका के खिलाफ उतरेगी विश्व चैंपियन भारतीय महिला टीम

- भारत दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ 5 टी20 इंटरनेशनल मैचों की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली। वनडे वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम एक बार फिर मैदान पर अपने जौहर का प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। बीसीसीआई ने शुक्रवार को आगामी होम सीरीज का ऐलान करते हुए बताया कि भारत दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ 5 टी20 इंटरनेशनल मैचों की मेजबानी करेगा। यह वही भारतीय टीम है, जिसने इसी महीने पहली बार महिला वनडे वर्ल्ड कप जीतकर पूरे देश को गर्व से भर दिया था। वर्ल्ड कप जीत के बाद यह भारतीय टीम की पहली अंतरराष्ट्रीय सीरीज होगी, जिसे लेकर क्रिकेट प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह है। दिसंबर में पहले भारत और बांग्लादेश के बीच सीरीज प्रस्तावित थी, लेकिन दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव बढ़ने के कारण उसे स्थगित कर दिया गया। इसके बाद बीसीसीआई और श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने मिलकर नई सीरीज का शेड्यूल तैयार किया और 5 मैचों की टी20 सीरीज पर सहमति बनी। यह सीरीज भारतीय टीम के लिए बेहद अहम मानी जा रही है, क्योंकि अगले साल फरवरी-मार्च में भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी, जहां दोनों देशों के बीच 1 टेस्ट, 2 टी20 और 3 वनडे मैच खेले जाएंगे। ऐसे में श्रीलंका के खिलाफ ये मुकाबले खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों के लिए बेहतर तैयारी का अवसर देंगे। साथ ही यह सीरीज महिला प्रीमियर लीग 2026 (डब्ल्यूपीएल 2026) से पहले अपने प्रदर्शन को निखारने और टीम संयोजन मजबूत करने के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगी। भारत-श्रीलंका टी20 सीरीज विशाखापत्तनम और तिरुवनंतपुरम में आयोजित की जाएगी। पहला मैच 21 दिसंबर को विशाखापत्तनम के डॉक्टर वाईएस राजशेखर रेड्डी स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि दूसरा मुकाबला भी वहीं 23 दिसंबर को होगा। तीसरा टी20 26 दिसंबर को तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा और इसके बाद चौथा और पांचवां मैच क्रमशः 28 और 30 दिसंबर को वहीं आयोजित होंगे। वर्ल्ड कप जीत से उत्साहित हरमनप्रीत कौर की अगुआई में भारतीय टीम अपनी लय बरकरार रखने के इरादे से मैदान में उतरेगी, वहीं श्रीलंका की टीम 2026 के व्यस्त सीजन से पहले शानदार प्रदर्शन के जरिए आत्मविश्वास मजबूत करना चाहेगी। कई अहम खिलाड़ियों की वापसी और युवा प्रतिभाओं की मौजूदगी इस सीरीज को रोमांचक बना देगी।

आईपीएल 2026: रवि बिश्नोई की अगली टीम पर अटकलें तेज, चहल की लाइव चैट ने बढ़ाई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 की नीलामी नजदीक आते ही युवा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई की नई टीम को लेकर अटकलें तेजी से बढ़ गई हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स द्वारा रिलीज़ किए जाने के बाद अब यह चर्चा गर्म है कि आखिर आगामी सीजन में वह किस फ्रेंचाइजी के साथ मैदान पर उतरेंगे। अब तक के आईपीएल करियर में बिश्नोई ने 72 से अधिक विकेट हासिल किए हैं और बीच के ओवरों में रन रोकने तथा लगातार विकेट निकालने की क्षमता ने उन्हें टूर्नामेंट के सबसे अहम भारतीय गेंदबाजों में शामिल किया है। यही कारण है कि कई टीमें उन पर बड़ा दांव लगाने के लिए तैयार दिखाई दे रही हैं। इस बीच, टीम इंडिया और आईपीएल स्टार स्पिनर युजवेंद्र चहल ने सोशल मीडिया पर एक इंस्टाग्राम लाइव के दौरान उनकी भविष्य की फ्रेंचाइजी को लेकर हल्के-फुल्के अंदाज़ में टिप्पणी की, जिसने चर्चा को और हवा दे दी। बातचीत में चहल ने मुस्कुराते हुए कहा 'बिश्नोई, मुझे फीलिंग आ रही है कि तू राजस्थान रॉयल्स जाएगा आईपीएल में।' जवाब में बिश्नोई ने भी मज़ेदार अंदाज़ में कहा 'तो बस आपकी फीलिंग के खिलाफ थोड़ी न जाएंगे।' इस संवाद के बाद सोशल मीडिया पर बिश्नोई को राजस्थान रॉयल्स जॉइन करने की संभावना को लेकर कयासों की बाढ़ आ गई है। चहल ने मज़ाक जारी रखते हुए बिश्नोई को चेतावनी भी दे डाली 'जा भाई, वरना मेरी तरह डोमेस्टिक ही खेलता रह जाएगा।' इस हल्की-फुल्की नोकझोंक ने फैंस का खूब मनोरंजन किया और कमेंट सेक्शन में लोगों ने अनुमान लगाना शुरू कर दिया कि चहल की बातें कहीं वास्तविक संकेत तो नहीं?

हालांकि पिछले सीजन में बिश्नोई का प्रदर्शन उम्मीदों के अनुसार नहीं रहा था, लेकिन बिश्नोई की स्ट्राइक-रेट, तेज़ी से बॉल को टर्न कराने की क्षमता और डेथ ओवर्स तक गेंदबाजी करने का आत्मविश्वास उन्हें हर टीम की प्राथमिकता बना सकता है। आईपीएल में भारतीय गुणवत्ता वाले स्पिनर्स की कमी को देखते हुए वह इस नीलामी के सबसे महंगे और चर्चित खिलाड़ियों में शामिल हो सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, राजस्थान रॉयल्स, मुंबई इंडियंस, पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद जैसे फ्रेंचाइजी बिश्नोई पर बड़ा दांव लगा सकती हैं। अब देखना होगा कि नीलामी की तारीख आते-आते बिश्नोई किस टीम का हिस्सा बनते हैं और उनकी अगली फ्रेंचाइजी कौन सी होती है।

वनडे सीरीज से पहले टीम इंडिया का 'कॉन्फिडेंस बूस्ट': केएल राहुल ने बताई कोहली-रोहित की अहमियत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केएल राहुल ने कहा कि 30 नवंबर से रांची के जेएससीए स्टेडियम में शुरू होने वाली भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका वनडे सीरीज़ से पहले, विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ियों की टीम में वापसी से ड्रेसिंग रूम में आत्मविश्वास का संचार हुआ है। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में, केएल राहुल, जो कप्तान शुभमन गिल की अनुपस्थिति में भारतीय टीम की कमान संभालेंगे, ने टीम में विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों के होने के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि उनकी मौजूदगी और अनुभव ड्रेसिंग रूम के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं और युवा खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं।

राहुल ने कहा कि किसी भी समय उनका महत्व बहुत ज़्यादा होता है। टीम में वरिष्ठ खिलाड़ियों का होना निश्चित रूप से ड्रेसिंग रूम को और भी ज़्यादा आत्मविश्वास से भर देता है। उनकी मौजूदगी और अनुभव से ड्रेसिंग रूम के कई खिलाड़ियों और टीम को मदद मिलती है। इसलिए, हम वाकई खुश हैं कि वे यहाँ हैं। दाएँ हाथ के बल्लेबाज़ ने कहा कि जीत सबसे ज़रूरी चीज़ है। हम इसी पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रहे हैं और एक हफ़्ते पहले जो हुआ उसे भूलकर कल के मैच पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रहे हैं और देख रहे हैं कि हम कैसे सामूहिक प्रदर्शन कर सकते हैं जिससे हमें जीत हासिल करने में मदद मिले और फिर यहाँ से अगले मैदान पर जाकर देखें कि हम इसे फिर से कैसे कर सकते हैं और इस सीरीज़ को जीतने की कोशिश कर सकते हैं। इसलिए, यही सबसे महत्वपूर्ण चीज़ है और हम इसी के बारे में सोच रहे हैं। ज़ाहिर है, एक स्थिर टीम होने से मदद मिलती है और कुछ समान चेहरे होने से ड्रेसिंग रूम को भी मदद मिलती है।

राहुल ने विराट कोहली की स्ट्राइक रोटेट करने की क्षमता की प्रशंसा की और कहा कि वनडे और टेस्ट क्रिकेट में सिंगल लेना बाउंड्री लगाने जितना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कोहली इस कौशल में निपुण हैं, और युवा खिलाड़ी, जिनमें वह खुद भी शामिल हैं, अक्सर कोहली और रोहित शर्मा दोनों से स्ट्राइक रोटेशन में सुधार के बारे में सीखते हैं। उन्होंने कहा कि वनडे क्रिकेट और टेस्ट क्रिकेट में सिंगल लेना बाउंड्री लगाने जितना ही महत्वपूर्ण है, टी20 फॉर्मेट में शायद उतना नहीं। विराट ने अपने करियर में यह बहुत अच्छा किया है। हमने विराट को देखा है और उससे सीखने की कोशिश की है। ड्रेसिंग रूम में भी, हम सभी ने उनसे और रोहित से बात की कि हम बल्लेबाज़ के तौर पर कैसे बेहतर हो सकते हैं, कैसे हम स्ट्राइक रोटेट कर सकते हैं। ज़ाहिर है, वह वनडे क्रिकेट में ऐसा करने में माहिर हैं। इसलिए, हमें बहुत खुशी है कि वह ड्रेसिंग रूम में वापस आ गए हैं और

वह यहाँ आकर ये मैच खेलने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

वनडे सीरीज़ में, रांची में पहले मैच के बाद, दोनों टीमें रायपुर में भिड़ेंगी, उसके बाद विशाखापत्तनम में अंतिम मैच होगा। टेस्ट सीरीज़ में 2-0 की निराशाजनक हार के बाद भारतीय टीम वनडे में वापसी करना चाहेगी।

लियोनेल मेसी अगले महीने आएंगे भारत, GOAT टूर ऑफ इंडिया 2025 में हैदराबाद भी शामिल

अर्जेंटीना। दिग्गज फुटबॉलर और विश्व कप विजेता कप्तान लियोनेल मेसी ने भारत आने की अपनी तैयारियों को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। मेसी ने पुष्टि की है कि उनके बहुचर्चित 'GOAT Tour of India 2025' में अब हैदराबाद को भी शामिल कर लिया गया है। यह उनका भारत दौरे का चौथा पड़ाव होगा। मेसी पहले कोलकाता पहुंचेंगे, जो उनके टूर का शुरुआती शहर है। इसके बाद वे हैदराबाद आएंगे, फिर मुंबई और अंत में दिल्ली, जहां उनके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की संभावना है। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में मेसी ने लिखा, 'इंडिया, आपके प्यार के लिए धन्यवाद! GOAT Tour कुछ ही हफ्तों में शुरू हो रहा है। खुशी है कि हैदराबाद को भी मेरी यात्रा में शामिल किया गया है। इंडिया, जल्द मिलते हैं!'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

नेपाल के राष्ट्रपति ने 5 मार्च को होने वाले चुनावों के लिए सेना की तैनाती को मंजूरी दी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने गुरुवार को कैबिनेट के फैसले और प्रधानमंत्री की सिफारिश को मंजूरी दे दी, जिसमें अगले साल 5 मार्च को होने वाले संसदीय चुनावों के लिए नेपाली सेना को जुटाने की बात कही गई थी। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने 24 नवंबर को हुई कैबिनेट बैठक के अनुरूप यह सिफारिश भेजी थी। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति ने चुनाव सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सेना तैनात करने के सरकार के फैसले का समर्थन किया।

श्रीलंका : 11 दिन से मूसलाधार बारिश व भूस्खलन, 31 की मौत

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में बीते 11 दिन से जारी मूसलाधार बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण 31 लोगों की मौत हो गई है। इन घटनाओं में करीब 4,000 लोग प्रभावित हुए हैं। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र ने बृहस्पतिवार को कहा कि अकेले मध्य पर्वतीय जिलों में 18 लोगों की मौत होने की जानकारी मिली है। एक भयावह घटना में, कुंबुक्कना में बढ़ते जलस्तर के बीच एक यात्री बस फंस गई, जिसके बाद आपात दलों ने 23 यात्रियों को बचाया। अडाडेराना समाचार पोर्टल के मुताबिक, करीब 10 लोग घायल हुए हैं जबकि 14 लोग लापता बताए जा रहे हैं।

भारतीय दूत क्वात्रा का अमेरिकी मंत्री से व्यापार समझौते पर जोर

मियामी, एजेंसी। द. अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने अगले साल मियामी में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में उनके देश को आमंत्रित न करने के अमेरिका के कदम को अफसोसजनक बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति रामफोसा और उनके प्रशासन द्वारा अमेरिका के साथ राजनयिक संबंधों को फिर से स्थापित करने के अनेक प्रयासों के बावजूद, राष्ट्रपति ट्रंप हमारे देश के बारे में गलत सूचनाओं-विकृतियों के आधार पर दंडात्मक उपाय लागू करना जारी रखे हुए हैं।

चुनाव से पहले म्यांमार सेना ने 8,665 लोगों को दी माफी

नाएप्यीडॉ, एजेंसी। म्यांमार की सैन्य सरकार ने आगामी चुनाव से पहले कुल 8,665 लोगों को माफी देने की घोषणा की है। इसमें दोषी ठहराए गए 3,085 लोगों की सजा कम करना और फरार 5,580 लोगों के खिलाफ केस खत्म करना शामिल है। हालांकि, कितने राजनीतिक बंदियों को रिहा किया जाएगा, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। सेना का दावा है कि यह कदम स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए है, जबकि पश्चिमी देशों और मानवाधिकार समूहों ने चुनाव को पहले ही ढोंग बताया है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में खदान विस्फोट में दो की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बाजौर जिले में छोड़ी गई लैंडमाइन फटने से दो लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना जननत शाह क्षेत्र (चर्मंग तहसील) में बुधवार शाम हुई, जब तीन लोग वहां से गुजर रहे थे। मृतकों की पहचान 18 वर्षीय शमशाद और 22 वर्षीय उस्मान के रूप में हुई। अधिकारियों ने इसे क्षेत्र की शांति भंग करने की साजिश बताया और विस्फोटक लगाने वालों की तलाश के लिए खोज अभियान शुरू किया।

व्हाइट हाउस के पास हमले में महिला सैनिक की मौत

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका में व्हाइट हाउस के पास बुधवार को हुए हमले में घायल महिला नेशनल गार्ड सारा बेकस्ट्रॉम की मौत हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को यह जानकारी दी। ट्रम्प ने बताया कि दूसरे सैनिक एंड्रयू वॉल्फ की हालत सीरियस है। दोनों वेस्ट गार्ड्स वर्जीनिया नेशनल गार्ड से जुड़े थे और अगस्त की शुरुआत में एक सुरक्षा मिशन पर वॉशिंगटन डीसी भेजे गए थे। ट्रम्प ने कहा- 'सारा अब हमारे बीच नहीं हैं और उनके माता-पिता इस समय बेहद दुख में हैं। बेकस्ट्रॉम प्रतिभाशाली नेशनल गार्ड थीं।' सारा जून 2023 में मिलिट्री पुलिस यूनिट में भर्ती हुई थीं। एक अफगानिस्तानी हमलावर ने कल फैरागट वेस्ट मेट्रो स्टेशन के पास सारा को सीने और सिर में गोली मारी थी। इसके बाद उसने एंड्रयू पर फायर किया था। उसी समय पास ही मौजूद तीसरे गार्ड ने चार गोलियां चलाईं, जिसके बाद हमलावर को काबू कर लिया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एंड्रयू वॉल्फ का गंभीर हालत में इलाज जारी है। वॉल्फ फरवरी 2019 में एयर नेशनल गार्ड में शामिल हुए थे। उन्हें अपनी सर्विस के दौरान कई मेडल भी मिल चुके हैं। ट्रम्प ने बताया कि उन्हें इस हमले के बारे में ठीक उस समय पता चला जब वे थैंक्सगिविंग के मौके पर अमेरिकी सैनिकों को वीडियो कॉल करने वाले थे।

इमरान खान के बेटे को भी होने लगा शक, कासिम ने पाकिस्तान से मांगे जिंदा होने के सबूत

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के छोटे बेटे कासिम खान ने सार्वजनिक रूप से सरकार पर अपने पिता को पूर्ण एकांत में रखने और परिवार के किसी भी सदस्य से मिलने से रोकने का आरोप लगाया है। कासिम ने एक्स पर एक पोस्ट में चेतावनी दी है कि परिवार के पास उनके पिता के जीवित होने का कोई प्रमाण नहीं है। उन्होंने जेल के अधिकारियों को उनकी सुरक्षा के लिए जिम्मेदार ठहराया है। आपको बता दें कि कासिम खान आमतौर पर फ्रंट-लाइन की राजनीति से दूर रहते हैं। उन्होंने अपने पिता की हिरासत के बारे में चौंकाने वाले विवरण दिए हैं। उन्होंने कहा कि उनके पिता 845 दिनों से गिरफ्तार हैं। पिछले छह हफ्तों से उन्हें जीरो पारदर्शिता के साथ फांसी की सजा वाले कैदियों के लिए बनी कोठरी में एकांत कारावास में रखा गया है। एक महीने से अधिक समय से परिवार के मिलने पर अघोषित प्रतिबंध लगा हुआ है। अदालत के आदेशों के बावजूद, उनकी बहनों को हर बार मुलाकात करने से रोका गया है। उन्होंने कहा, ' मेरे पिता इमरान खान कोई फोन कॉल नहीं, कोई मुलाकात नहीं और जीवित होने का कोई प्रमाण नहीं है।' उन्होंने और उनके भाई सुलेमान ने एक महीने से अधिक समय से अपने पिता से संपर्क नहीं किया है। कासिम ने इस सूचना ब्लैकाउट को जानबूझकर इमरान खान की स्थिति को छिपाने और अपने परिवार को यह जानने से रोकने का प्रयास बताया कि वह सुरक्षित हैं। कासिम ने पाकिस्तानी सरकार और उसके हैंडलर्स

को चेतावनी दी है कि उन्हें मेरे पिता की सुरक्षा और इस अमानवीय अलगाव के हर परिणाम के लिए कानूनी, नैतिक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूरी तरह से जवाबदेह ठहराया जाएगा। उन्होंने वैश्विक संस्थानों से तत्काल हस्तक्षेप का आग्रह किया है। कासिम ने कहा, 'अंतर्राष्ट्रीय समुदाय, वैश्विक मानवाधिकार संगठनों और हर लोकतांत्रिक आवाज से मेरा आग्रह है कि वे तत्काल हस्तक्षेप करें। जीवित होने का प्रमाण मांगें, अदालत द्वारा दिए गए आदेश को लागू कराएं, इस अमानवीय अलगाव को समाप्त करें और पाकिस्तान के सबसे लोकप्रिय राजनीतिक नेता की रिहाई की मांग करें, जिन्हें केवल राजनीतिक कारणों से जेल में रखा गया है।' इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने इन अफवाहों के बीच आधिकारिक प्रतिक्रिया और तत्काल परिवार को मिलने देने की मांग की है। हालांकि, पाकिस्तानी प्रशासन और सरकार ने आरोपों का खंडन किया है। अडियाला जेल प्रशासन ने इमरान खान के ठिकाने बदलने या उन्हें नुकसान पहुंचाने की अटकलों को खारिज कर दिया और कहा कि वह पूरी तरह से स्वस्थ हैं और उन्हें पूरा चिकित्सा ध्यान मिल रहा है। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने जोर देकर कहा कि पीटीआई संस्थापक को अधिकांश कैदियों की तुलना में बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने दावा किया कि इमरान को ऐसा भोजन मेनू मिल रहा है जो फाइव-स्टार होटल में भी उपलब्ध नहीं है। साथ ही टेलीविजन, व्यायाम उपकरण और एक मखमल का गद्दा भी दिया गया है। इमरान खान की तीन बहनों और पीटीआई कार्यकर्ताओं ने बुधवार को अदियाला जेल के बाहर मुलाकात की मांग को लेकर धरना दिया। जेल अधिकारियों ने अलीमा खान को आश्वासन दिया कि मुलाकात की व्यवस्था की जाएगी, जिसके बाद विरोध समाप्त हो गया। बहनों को आज और मंगलवार को उनसे मिलने की अनुमति मिलने की उम्मीद है।

दावा- सेना के आदेश पर किया गया हमला : मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह कार्रवाई सेना के निर्देश पर की गई। जेल परिसर के बाहर भारी सुरक्षा तैनात थी और पीटीआई समर्थकों की भीड़ लगातार बढ़ रही थी। जब [illegible] के मुख्यमंत्री अफरीदी गुरुवार को खुद जेल पहुंचे, तो हालात बिगड़ गए। पुलिस ने उन्हें और उनके साथ आए नेताओं को आगे बढ़ने से रोक दिया। धक्का-मुक्की के दौरान पुलिसकर्मियों ने सीएम को लात-घूंसे भी मारे और जमीन पर गिरा दिया। [illegible] ने इस घटना को लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताया है।

अफरीदी ने बड़े विरोध-प्रदर्शन की धमकी दी : सुहैल अफरीदी का कहना है कि सरकार को इमरान खान की सेहत और सुरक्षा को लेकर उठे सभी सवालों के सही जवाब देने होंगे। अगर ऐसा नहीं किया गया तो वे जनता के साथ सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर हो जाएंगे। अफरीदी ने आरोप लगाया कि सरकार इमरान खान की हालत की सही जानकारी नहीं दे रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इमरान खान को कुछ हुआ तो इसके नतीजे की जिम्मेदारी पूरी तरह मौजूदा सरकार पर होगी।

उन्होंने पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर पर तंज करते हुए कहा कि देश के बिगड़ते हालात के लिए वही जिम्मेदार हैं। अफरीदी का कहना है कि इमरान खान तक पहुंच रोकना और उनकी सेहत की जानकारी छिपाना जनता के भरोसे के साथ खिलवाड़ है।

ऑस्ट्रेलिया में शार्क ने मचाया कोहराम; एक महिला को उतारा मौत के घाट, दूसरा शख्स गंभीर रूप से घायल

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर स्थित एक राष्ट्रीय उद्यान के समुद्र तट पर गुरुवार सुबह शार्क ने दो लोगों पर हमला कर दिया। इस हमले में एक महिला की मौत हो गई और एक पुरुष गंभीर रूप से घायल हुआ। पुलिस के अनुसार यह हादसा सुबह करीब 6:30 बजे हुआ। यह घटना क्राउडी बे नेशनल पार्क के काइलिज बीच पर हुई, जो सिडनी से लगभग 360 किलोमीटर उत्तर में है और बीच कैम्पिंग, मछली पकड़ने तथा ट्रैकिंग के लिए मशहूर है।

इलाके के सभी समुद्र तट अनिश्चितकाल के लिए बंद : इस हमले के बाद इलाके के सभी समुद्र तटों को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया गया है। पुलिस चीफ इंस्पेक्टर टिमोथी बेली ने बताया कि दोनों पीड़ित एक-दूसरे को जानते थे और तैराकी के लिए पानी में उतरे थे, तभी शार्क ने हमला कर दिया।

घायल जोड़े की एक राहगीर ने की मदद : इस घटना के बाद एक राहगीर ने घायल जोड़े की मदद की। लेकिन महिला को बचाया नहीं जा सका और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुरुष के पैर पर गंभीर चोटें आई हैं और उसे हेलीकॉप्टर से अस्पताल ले जाया गया। उसकी हालत गंभीर लेकिन स्थिर बताई जा रही है। पैरामेडिक जोश स्माइथ ने बताया कि राहगीर की तरफ से बनाया गया अस्थायी टूरनीकेट

शायद पुरुष की जान बचाने में मददगार साबित हुआ। उन्होंने कहा, 'जिस व्यक्ति ने घटना के बाद तुरंत प्राथमिक उपचार दिया, उसने पुरुष के जीवन को बचाने में अहम भूमिका निभाई।'

शार्क की हुई पहचान, पकड़ने की कोशिश जारी : सरकारी अधिकारियों ने बताया कि वैज्ञानिकों ने हमले में शामिल शार्क को बड़ा बुल शार्क पहचान लिया है। शार्क को पकड़ने के लिए समुद्र में पांच ड्रमलाइन लगाई गई हैं। पहले से भी पास के मैक्वेरी और फॉर्स्टर समुद्र तटों पर ऐसी व्यवस्था मौजूद थी। शार्क विशेषज्ञ गैविन नेलर ने कहा कि एक ही शार्क का दो लोगों पर हमला करना बेहद दुर्लभ होता है। उन्होंने बताया कि 'शार्क हमले अपने-आप में दुर्लभ हैं, और एक ही शार्क द्वारा दो लोगों पर हमला होना और भी अनोखी घटना है।' पीड़ितों की पहचान जारी नहीं की गई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार दोनों यूरोपीय पर्यटक थे।

'नेशनल गार्ड्स पर हमला करने वाला पागल हो गया था', रिपोर्टर पर भड़के ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अफगानिस्तान मूल के व्यक्ति द्वारा नेशनल गार्ड्स पर किए गए हमले को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप खासे नाराज हैं। इसे लेकर ट्रंप ने पूर्ववर्ती बाइडन सरकार पर निशाना साधना शुरू कर दिया है क्योंकि बाइडन सरकार की पुनर्वास नीति के तहत ही हमलावर रहमानुल्ला लकनवाल अमेरिका आया था। व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि हमलावर पागल हो गया था। साथ ही उन्होंने कहा कि इस तरह के लोगों के साथ ऐसी घटनाएं होती रहेंगी।

ट्रंप ने बाइडन सरकार की नीति की आलोचना की : ट्रंप ने कहा कि बाइडन सरकार की 'ऑपरेशन अलाइस वेलकम' नीति के तहत संदिग्ध लोग अमेरिका में आ गए हैं। बाइडन सरकार ने अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद इस नीति की शुरुआत की थी, जिसके तहत कई अफगान नागरिकों को अमेरिका में शरण दी गई थी। ट्रंप ने नीति की आलोचना करते हुए कहा कि वॉशिंगटन डीसी के हमलावर जैसे कई अन्य लोग इस देश में आ गए हैं। हम उन सभी को बाहर निकालेंगे। इस दौरान एक रिपोर्टर ने कहा कि अमेरिका आए अफगान नागरिक सुरक्षा जांच के बाद ही यहां आए हैं। इस पर ट्रंप ने नाराज होते हुए कहा कि इन लोगों के साथ कई ऐसे भी लोग यहां आ गए हैं, जिन्हें यहां नहीं होना चाहिए था। इसके बाद ट्रंप ने रिपोर्टर को लगभग डांटते हुए कहा कि 'क्या आप मूर्ख हैं? आप ऐसे सवाल पूछ रहे हैं क्योंकि आप बेवकूफ हैं।'

हमले में घायल एक सैनिक की मौत : राष्ट्रपति ट्रंप ने साथ ही बताया कि हमले में घायल नेशनल गार्ड्स की सैनिक साराह बैकस्ट्रोम की मौत हो गई है। वहीं दूसरा सैनिक अपनी जिंदगी के लिए लड़ रहा है। ट्रंप ने बैकस्ट्रोम की तारीफ की और उसे युवा, सम्मानित और शानदार व्यक्ति बताया। ट्रंप ने कहा कि जिस जानवर ने नेशनल गार्ड्स के दो सैनिकों को गोली मारी, उसे इसकी भारी कीमत चुकानी होगी। हमले के तुरंत बाद ही हमलावर रहमानुल्ला लकनवाल को गिरफ्तार कर लिया गया था।

फ्रांस में भी अग्निवीर: मैक्रों ने की 10 महीने की नई स्वैच्छिक सैन्य सेवा योजना की घोषणा, भर्ती होंगे युवा

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को नई राष्ट्रीय सैन्य सेवा पहल की घोषणा की। यह पहल इसलिए की गई है, क्योंकि फ्रांस अपने सशस्त्र बलों को मजबूत करना चाहता है, ताकि यूरोपीय देशों पर रूस के बढ़ते खतरे का सामना किया जा सके।

मैक्रों ने घोषणा की कि 18 और 19 साल के स्वयंसेवक अगले साल 10 महीने की नई सैन्य सेवा योजना में शामिल होना शुरू करेंगे। फ्रैंच आल्प्स में वार्सेस सैन्य अड्डे पर अपने संबोधन में मैक्रों ने कहा कि अगले गर्मियों से एक नई राष्ट्रीय सेवा योजना धीरे-धीरे शुरू की जाएगी। इसमें युवा स्वयंसेवक केवल के के प्रमुख क्षेत्रों में ही सेवा नहीं करेंगे, बल्कि विदेश में भी फ्रांसीसी सैन्य अभियानों में भाग लेंगे। इस साल की शुरुआत में मैक्रों ने फ्रांसीसी युवाओं को सैन्य सेवा में स्वेच्छा से भाग लेने का नया विकल्प देने की अपनी योजना की घोषणा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि फ्रांस में 1996 में खत्म हो चुकी अनिवार्य सैन्य सेवा को फिर से लागू करने का विचार नहीं है। उन्होंने बताया कि रूस का यूक्रेन पर आक्रमण यूरोप के लिए 'बड़े खतरे' का संकेत है, इसलिए फ्रांस अपनी रक्षा को मजबूत करना चाहता है। मैक्रों ने रेडियो आरटीएल को मंगलवार को बताया, जिस दिन आप रूस के प्रति कमजोरी का संकेत देंगे, जिसने पिछले 10 वर्षों में फिर से एक साम्राज्यवादी ताकत बनने का रणनीतिक फैसला लिया है, यानी जहां भी हम कमजोर हैं, वहां वह आगे बढ़ेगा..वह आगे बढ़ता रहेगा।

ईयू के देशों में फ्रांस की सेना दूसरी सबसे बड़ी : मैक्रों ने अगले दो वर्षों में अतिरिक्त सैन्य खर्च के रूप में 6.5 बिलियन यूरो (7.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर) की घोषणा की। उन्होंने कहा कि फ्रांस 2027 में वार्षिक रक्षा खर्च में 64 बिलियन यूरो खर्च करने का लक्ष्य रखेगा, जो उनके दूसरे कार्यकाल का अंतिम वर्ष होगा। यह 2017 में राष्ट्रपति बनने के समय 32 बिलियन यूरो के वार्षिक खर्च का दोगुना होगा। फ्रांस की सेना में वर्तमान में करीब दो लाख सक्रिय सैन्य कर्मी और 40 हजार से अधिक आरक्षित कर्मी हैं, जो इसे यूरोपीय संघ (ईयू) में पोलैंड के बाद दूसरी सबसे बड़ी सेना बनाते हैं। फ्रांस 2030 तक आरक्षित कर्मियों की संख्या एक लाख तक बढ़ाना चाहता है।

फ्रांस के नए सेना प्रमुख के बयान से क्यों हुआ विवाद : फ्रांस के नए सेना प्रमुख जनरल फेबियन मंडॉन ने पिछले हफ्ते चेतावनी दी कि देश को रूस के संभावित संघर्ष की स्थिति में 'अपने बच्चों के बलिदान की तैयारी' करनी होगी। उनके इन शब्दों से विवाद भी खड़ा हुआ। जनरल मंडॉन ने कहा कि रूस ने 2008 में जॉर्जिया के 20 फीसदी क्षेत्र, 2014 में यूक्रेन का क्रीमिया और 2022 में यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण किया। दुर्भाग्य से, आज रूस 2030 तक हमारे देशों के साथ टकराव की तैयारी कर रहा है। वह इसके लिए खुद को संगठित कर रहा है और आश्वस्त है कि इसके अस्तित्व का दुश्मन उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) है। मैक्रों ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय सैन्य सेवा के स्वयंसेवकों को अग्रिम मोर्चे पर नहीं भेजा जाएगा। उन्होंने कहा, हमें किसी भी भ्रम को तुरंत दूर करना चाहिए कि हम अपने युवाओं को यूक्रेन भेजने जा रहे हैं।

बिल्लियों के आतंक से परेशान हुआ न्यूजीलैंड, अब 25 लाख को मारने की तैयारी, सरकार ने बनाई योजना

वेलिंग्टन, एजेंसी। जैव विविधता के लिए मशहूर न्यूजीलैंड पिछले कुछ समय से फेरल (जंगली) बिल्ली के आतंक से परेशान है। ऐसे में इससे छुटकारा पाने के लिए पूरे देश में इनके खात्मे की योजना बना रहा है। इस योजना का लक्ष्य आगामी ढाई दशक में न्यूजीलैंड से इन जंगली बिल्लियों को पूरी तरह से खत्म करना है। संरक्षण मंत्री तमा पोटाका ने फेरल बिल्लियों को स्टोन कोल्ड किलर्स शब्द से परिभाषित करते हुए कहा कि इन्हें प्रिडेटर फ्री 2050 की सूची में शामिल किया जाएगा। लोगों की जिज्ञासा को शांत करने के लिए उन्होंने कहा कि इस हमारा लक्ष्य केवल इन जंगली बिल्लियों को खत्म करना है, घरेलू बिल्लियां इससे बाहर हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, पोटाका ने फेरल बिल्ली के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह बिल्लियां हमारी घरेलू बिल्लियों से अलग होती हैं। यह इंसान का संपर्क बर्दाश्त नहीं करती हैं। यह जरूरत से ज्यादा शिकार करना पसंद करती है। इसकी वजह से इसने कई प्रजातियों को नष्ट कर दिया है। इनका आतंक इस कदर है कि न्यूजीलैंड में अब देशी प्रजाति की बिल्लियां न के बराबर रह गई हैं। पोटाका ने बताया कि इन बिल्लियों ने स्टुअर्ट द्वीप पर दक्षिणी डॉटरेल पक्षी का लगभग जड़ से मिटा दिया है, वहीं उत्तरी द्वीप के ओहाकुने इलाके में पिछले एक हफ्ते में इन्होंने 100 से ज्यादा चमगादड़ों की हत्या की है। मंत्री ने कहा कि न्यूजीलैंड अनोखी जलवायु और जैव विविधता वाला देश है। यहां पर कई ऐसी प्रजातियां मिलती हैं, जो दुनिया में कहीं भी नहीं मिलतीं। ऐसे में उन्हें बचाने के लिए इन शिकारी बिल्लियों पर नियंत्रण लगाना आवश्यक है। आपको बता दें न्यूजीलैंड में करीब 25 लाख से अधिक जंगली बिल्लियां रहती हैं। यह बिल्लियां घरेलू बिल्लियों से थोड़ी बड़ीं और 7 किलो के वजह की हो सकती हैं। न्यूजीलैंड में इनकी बढ़ती संख्या की वजह से यह बहुतायत में मिल जाती हैं। जंगलों से लेकर खेतों तक यह हर जगह नजर आती हैं। इसके अलावा इन बिल्लियों को रोगजनक भी माना जाता है। पोटाका ने कहा कि यह बिल्ली टॉक्सोप्लाजमोसिस नामक बीमारी फैलाती है, जो इंसानों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालती है और इसके अलावा दुधारू पशुओं को भी नुकसान पहुंचाती है। इन्हीं कारणों की वजह से इन्हें प्रिडेटर फ्री 2050 की सूची में शामिल किया गया है। गौरतलब है कि न्यूजीलैंड की सरकार ने यह कार्यक्रम अपने यहां की जैव विविधता के लिए खतरा बनने वाली आक्रामक प्रजातियों को खत्म करने के लिए बनाया था।

पाकिस्तान से बढ़ रही रूस की करीबी?: दोनों देशों में व्यापार-ऊर्जा सहयोग पर सहमति

इस्लामाबाद, एजेंसी। रूस और पाकिस्तान के बीच व्यापार, ऊर्जा, तकनीक, शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कृति समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने को लेकर सहमति बनी है। दोनों देशों ने इस बीच कई अहम ज्ञापन समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए। बताया गया है कि दोनों देशों के बीच यह समझौते पाकिस्तान-रूस अंतरसरकारी आयोग (आईजीसी) की 10वीं बैठक में हुए। बैठक की सह-अध्यक्षता पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्री अवैस लेघारी और रूस के मंत्री सर्गेई सिविलेव ने की। पाकिस्तान के द डॉन अखबार के मुताबिक, दोनों देशों के बीच जिन तीन अहम एमओयू पर हस्ताक्षर हुए, उनमें- गुणवत्ता मानकों, एकाधिकार-विरोधी नियामक और मीडिया और पेशेवर क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के एमओयू शामिल रहे। इसके अलावा दोनों पक्षों ने व्यापार बढ़ाने, निर्यात पोर्टफोलियो में विविधता लाने और व्यापारिक संपर्क मजबूत करने को लेकर हुई चर्चाओं पर भी संतुष्टि जताई। पाकिस्तानी कपड़ा उद्योग, खेल उत्पाद, आईटी सेवाएं, इंजीनियरिंग उत्पाद और कृषि वस्तुओं को रूस में बेहतर बाजार पहुंच दिलाने पर भी बात हुई। इसी के साथ दोनों ने माल ढुलाई के लिए संचालन व्यवस्था शुरू करने से जुड़ी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने पर भी बात की। रूस और पाकिस्तान के बीच तेल और गैस क्षेत्रों में प्रगति, एलएनजी-एलपीजी सप्लाई फ्रेमवर्क और तकनीकी सहयोग पर विस्तार से बात हुई। नवीकरणीय ऊर्जा, हाइड्रोपावर और जल प्रबंधन तकनीकों, खासतौर पर बाढ़ प्रबंधन पर भी सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी।

फार्मा, स्टील और तकनीकी क्षेत्रों पर चर्चा : बैठक में फार्मास्यूटिकल क्षेत्र को लेकर भी बात हुई। खासकर इंसुलिन उत्पादन के पर बातचीत की गई। साथ ही पाकिस्तान स्टील मिल्स की आधुनिकीकरण की योजना और भारी मशीनरी, खनन और उन्नत विनिर्माण में साझेदारी की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। दोनों देशों ने वैज्ञानिक, शैक्षणिक और तकनीकी सहयोग की अहमियत को स्वीकार करते हुए इस्लामाबाद और कराची में रूसी भाषा केंद्र स्थापित करने की पहल का स्वागत किया। इसके अलावा दोनों में युवा कार्यक्रमों, स्कूल साझेदारी, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और मीडिया सहयोग को मजबूत करने पर भी चर्चा हुई।

टोक्यो को पछाड़ जकार्ता बना दुनिया का सबसे बड़ा शहर, दिल्ली टॉप 3 से बाहर

न्यूयॉर्क, एजेंसी। दुनिया के नक्शे पर शहर अब सिर्फ इमारतों का समूह नहीं, बल्कि मानव सभ्यता की धड़कन बन चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट वर्ल्ड अर्बनाइजेशन प्रॉस्पेक्ट्स 2025 ने एक ऐसी तस्वीर पेश की है जो न केवल वर्तमान को दर्शाती है, बल्कि भविष्य की चुनौतियों को भी उजागर करती है। इस रिपोर्ट के अनुसार, इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता अब दुनिया का सबसे बड़ा शहर बन गया है, जिसकी आबादी लगभग 4.2 करोड़ है। यह खिताब दशकों से जापान की राजधानी टोक्यो के पास था, लेकिन अब टोक्यो तीसरे नंबर पर खिसक गया है। बांग्लादेश की राजधानी ढाका दूसरे स्थान पर काबिज है, जबकि भारत की राजधानी दिल्ली टॉप-3 से बाहर हो गई है। यह बदलाव सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं है। यह वैश्विक शहरीकरण की उस लहर का प्रमाण है जो एशिया को केंद्र में ला रही है। रिपोर्ट बताती है कि 2025 में दुनिया की 8.2 अरब आबादी का 80 प्रतिशत शहरों में रहता है- यह 1950 के कई गुना ज्यादा है। मेगासिटीज (1 करोड़ से अधिक आबादी वाले शहर) की संख्या 1975 के महज 8 से बढ़कर 33 हो गई है, जिनमें से 19 एशिया में हैं।

शहरों की यात्रा प्राचीन काल से आधुनिक युग तक : शहरों का इतिहास मानव सभ्यता का आईना है। लगभग 9000 वर्ष पूर्व, जब कृषि क्रांति ने शिकार-संघर्ष के जीवन को बदल दिया, तब शहरों का जन्म हुआ। संयुक्त राष्ट्र और इतिहासकारों जैसे टर्टियस चैंडलर व जॉर्ज मॉडेलस्की के अनुमानों के अनुसार, 7000 ईसा पूर्व में फिलिस्तीन का जेरिको दुनिया का सबसे बड़ा शहर था, जहां मात्र 1000-2000 लोग रहते थे। यह एक प्रोटो-सिटी था- दीवारों से घिरा, जहां कृषि ने अतिरिक्त भोजन पैदा किया और जनसंख्या बढ़ी। समय के साथ, शहर साम्राज्यों के केंद्र बने। 3100 ईसा पूर्व से

2240 ईसा पूर्व तक मिस्र का मेम्फिस सबसे बड़ा शहर रहा, आबादी लगभग 30,000। फिर मेसोपोटामिया का अक्कड़ (अब इराक) उभरा। रोमन साम्राज्य के चरम पर, 100 ईस्वी में रोम की आबादी 10 लाख तक पहुंच गई- यह यूरोप का पहला मिलियन-प्लस शहर। लेकिन मध्ययुग में एशिया ने कमान संभाली। 9वीं शताब्दी में बगदाद (इराक) पहला आधुनिक मिलियन-सिटी बना, जहां अब्बासिद खलीफा के दरबार ने विज्ञान, कला और व्यापार को पोषित किया। 19वीं शताब्दी में औद्योगिक क्रांति ने यूरोप को आगे बढ़ाया। 1800 में लंदन दुनिया का सबसे बड़ा शहर था (लगभग 9 लाख), लेकिन 1900 तक न्यूयॉर्क ने इसे पीछे छोड़ दिया। एशिया फिर लौटा: 1950 में टोक्यो पहले नंबर पर था। संयुक्त राष्ट्र के डेटा से पता चलता है कि 1950-2000 के बीच शहरों की आबादी 7.7 करोड़ से कहीं आगे बढ़ी, लेकिन अब एशिया का दबदबा है।

2025 की टॉप-10 लिस्ट: एशिया का प्रभुत्व : वर्ल्ड अर्बनाइजेशन प्रॉस्पेक्ट्स 2025 ने एक नई विधि अपनाई है- डिग्री ऑफ अर्बनाइजेशन ([illegible]) जो भौगोलिक डेटा (जैसे ग्लोबल ह्यूमन सेटलमेंट लेयर) पर आधारित है। यह राष्ट्रीय सीमाओं की बजाय घनी बस्तियों (1,500 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी से अधिक) को मापती है, जिससे आंकड़े अधिक तुलनीय बने। पुरानी रिपोर्टों में टोक्यो टॉप पर था, लेकिन नई विधि ने जकार्ता को आगे दिखाया।

2025 की दुनिया की सबसे बड़ी 10 अर्बन एग्लोमरेशन्स (शहरी समूह) की सूची इस प्रकार है: पहला स्थान इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता का है, जहां 41.9 मिलियन यानी लगभग 4 करोड़ 19 लाख लोग रहते हैं; दूसरे नंबर पर बांग्लादेश की ढाका है, जिसकी आबादी 36.6 मिलियन या 3 करोड़ 66 लाख है; तीसरा स्थान जापान के टोक्यो का है, जो 33.4 मिलियन (3 करोड़ 34 लाख) लोगों का घर है; चौथे पर भारत की नई दिल्ली 30.2 मिलियन (3 करोड़ 2 लाख) के साथ; पांचवें स्थान पर चीन का शंघाई 29.6 मिलियन (2 करोड़ 96 लाख) आबादी वाली; सातवें पर फिलीपींस का मनीला 24.7 मिलियन दसवें नंबर पर मिस्र का काहिरा 23 मिलियन (2 करोड़ 3 लाख) लोगों के साथ। यूएन के अनुसार, 2.3 करोड़ लोगों की आबादी के साथ, मिस्र का काहिरा टॉप 10 में अकेला ऐसा शहर है जो एशिया से बाहर है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौर्या (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तीन राज्यों के नक्सली खुद ही हथियार छोड़ने की कर रहे बात, तारीख 1 जनवरी 26

नई दिल्ली

मध्य भारत के लाल गलियारे में दशकों पुराने माओवादी आंदोलन को अब तक का सबसे बड़ा झटका लगने वाला है। प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) की सबसे ताकतवर इकाइयों में से एक - महाराष्ट्र-मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ (एमएमसी) स्पेशल जोनल कमेटी ने औपचारिक रूप से घोषणा की है कि उसके सैकड़ों कैडर 1 जनवरी 2026 तक एक साथ हथियार डालकर मुख्यधारा में लौटने को तैयार हैं। शर्त सिर्फ एक - तीनों राज्य सरकारें स्पष्ट सुरक्षा गारंटी दें और पूरी तरह पारदर्शी पुनर्वास प्रक्रिया चलाएं।

एमएमसी के प्रवक्ता 'अनंत' द्वारा जारी तीन पन्नों के पत्र में तीनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों को संबोधित करते हुए कहा गया है, हम व्यक्तिगत या बिखरे हुए सरेंडर नहीं चाहते। हमारा पूरा जोन एक साथ, एक दिन, एक झंडे तले सम्मानजनक वापसी चाहता है। 1 जनवरी 2026 हमारी अंतिम और गैर-परक्राम्य तारीख है।

पत्र में साफ लिखा है कि यदि सरकारें 1 जनवरी 2026 तक सभी सैन्य ऑपरेशन रोक देंगी, तो एमएमसी के कैडर भी उसी दिन से सभी सशस्त्र और संगठनात्मक गतिविधियां स्थायी रूप से बंद कर देंगे। संगठन ने इसे कायरता नहीं, बदले हुए राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय हालात में जनता के हित में लिया गया सामरिक निर्णय बताया है।

यह पेशकश ऐसे समय आई है जब केंद्र सरकार ने 31 मार्च 2026 तक पूरे देश से वामपंथी उग्रवाद खत्म करने का लक्ष्य रखा है। पिछले ढाई साल में सुरक्षा बलों ने 270 से ज्यादा माओवादियों को मार गिराया है, 1225 ने आत्मसमर्पण किया है और 680 गिरफ्तार हुए हैं, जिनमें कई सेंट्रल कमेटी सदस्य भी शामिल हैं। रायपुर में अभी कुछ दिन पहले ही प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की मौजूदगी में डीजीपी-आईजीपी सम्मेलन हुआ था, जिसमें नक्सल उन्मूलन को अंतिम चरण बताया गया था।

एमएमसी ने पिछली सरेंडर नीतियों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। पत्र में कहा गया है कि कई सरेंडर करने वाले कैडरों और उनके परिवारों को न तो सुरक्षा मिली, न नौकरी और न ही सम्मानजनक

जीवन। इसलिए अब कागजी वादों पर भरोसा नहीं। संगठन ने छत्तीसगढ़ की 'पोना मार्गेम' योजना को आधार बनाने की इच्छा जताई है, बशर्ते उसे तीनों राज्यों में एकसमान लागू किया जाए।

डॉ. शाहीन सईद अल-फलाह यूनिवर्सिटी के फ्लैट से 18.50 लाख कैश, सोने के बिस्किट और गहने मिले

नई दिल्ली

दिल्ली धमाका मामले की जांच नेशनल इंवेस्टीगेशन एजेंसी (एनआईए) कर रही है। इसी कड़ी में आतंकी मॉड्यूल में शामिल डॉ. शाहीन सईद के अल-फलाह यूनिवर्सिटी के फ्लैट से 18.50 लाख कैश सहित सोने के बिस्किट और गहने मिले है। इसके अलावा अलमारी से अरब देशों की करेंसी भी मिली है। एनआईए शाहीन को लेकर अल-फलाह यूनिवर्सिटी पहुंची थी। एनआईए के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अल-फलाह यूनिवर्सिटी के अंदर शाहीन का 22 नंबर फ्लैट है। फ्लैट में एनआईए की टीम काफी समय तक रही। जांच एजेंसी ने फ्लैट में रखी अलमारी का लॉक खुलवाया, जिसमें अंदर एक सीक्रेट लॉकर मिला। लॉकर के खुलने पर अंदर कई पैकेट रखे हुए थे। इन पैकेट में 500-500 रुपए के नोट थे। टीम ने जब इन नोटों की गिनती की तब ये 18 लाख रुपये निकले। इसके बाद एनआईए की टीम ने अलमारी के दूसरे लॉकर की तलाशी ली। इसमें सोने के 2 बिस्कुट के साथ करीब 300 ग्राम सोने के गहने बरामद हुए। सूत्रों ने बताया कि अलमारी से अरब देशों की करेंसी भी मिली है। डॉ. शाहीन के कई करीबी फंडिंग के लिए कई गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) के संपर्क में थे। एजेंसी की जांच में सामने आया कि एनजीओ के माध्यम से पैसा मंगाने वाले गिरोह का नेटवर्क खाड़ी देश बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात तक है। जांच एजेंसी ने इसके बाद अल-फलाह यूनिवर्सिटी के एडमिन ब्लॉक में जाकर शाहीन के नाम पर रजिस्टर एक लॉकर को खोलकर चेक किया। इसमें जांच टीम को कुछ दस्तावेज मिले है, जिन्हें कब्जे में ले लिया गया है। ये दस्तावेज क्या है, इसमें क्या मिला है?

इसका अभी कोई खुलासा नहीं किया गया है। सूत्रों ने बताया कि शाहीन एजेंसी की जांच में सहयोग नहीं रही है। एनआईए की टीम सबसे पहले डॉक्टर शाहीन सईद को अल-फलाह मेडिकल यूनिवर्सिटी लेकर पहुंची। जहां बिल्डिंग में ले जाकर कमरे नंबर 22 में प्रवेश कराया, जहां वह रहती थी।

जब-जब कहा आतंकवाद को दफना दिया, तब-तब आतंकियों ने जलवा दिखाया

कांग्रेस नेता ने दिल्ली ब्लास्ट को लेकर मोदी सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली

कांग्रेस नेता उदित राज ने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जब भी कहा जाता है कि आतंकवाद को दफन कर दिया, तब-तब आतंकवादी अपना कुछ जलवा दिखा देते हैं। उन्होंने दिल्ली धमाके का जिक्र करते हुए यह बात कही। 10 नवंबर की शाम लाल किले के पास कार में हुए जोरधार धमाके में हमलावर समेत 15 लोगों की जान चली गई, जबकि 20 गंभीर रुप से घायल हो गए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा को लेकर सीएम उमर अब्दुल्ला की ओर से दिए बयान से जुड़े सवाल के जवाब में उदित राज ने कहा कि उमर क्या गलत कह रहे हैं, स्टेटहुड का प्रॉमिश था।

कई बार बेईमानी हो रही है, लूट रहे हैं वहां। लूटने के लिए ही रखा गया है। संभल तो रहा नहीं है। अभी कश्मीर में भी बम ब्लास्ट हुआ था, जब भी यह कहते हैं कि हमने आतंकवाद को दफन कर दिया पाकिस्तान में घुसकर मारा तब आतंकवादी कुछ ना कुछ अपना जलवा दिखा देते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक जलवा शब्द कहने के बाद संभलते हुए उदित राज ने अपना वाक्य बदला और कहा कुछ ना कुछ आतंकवादी गतिविधि करके दिखा देते हैं कि तुम्हारी बात में दम नहीं है। उन्होंने कहा मोदी सरकार ने कुछ दिन पहले ही कहा था कि देखो जम्मू कश्मीर के बाहर देश में कहीं आतंकवादी हमला नहीं हुआ। आतंकियों ने धड़ाक से लाल किला में बम ब्लास्ट करके दिखा दिया।

राष्ट्रध्वज की शपथ लेकर सेना में शामिल हुआ अग्निवीर बैच

वाराणसी

भारतीय सेना के गौरवशाली इतिहास में आज एक और अध्याय जुड़ा। जब वाराणसी स्थित 39 जीटीसी (गोरखा ट्रेनिंग सेंटर) में अग्निवीर बैच की कसम-परेड पूर्ण सैन्य अनुशासन और गरिमा के साथ पूरी हुई।

शनिवार सुबह शुरू हुए कार्यक्रम में नौजवानों ने 31 सप्ताह की कठोर सैन्य ट्रेनिंग पूरी करने के बाद राष्ट्रध्वज के सम्मान में शपथ लेकर औपचारिक रूप से सेना का हिस्सा बने।

कार्यक्रम की शुरुआत परेड ग्राउंड पर सलामी, मार्च-पास्ट और औपचारिक निरीक्षण के साथ हुई। इस मौके पर डिप्टी कमांडेंट एवं ट्रेनिंग बटालियन कमांडर ने परेड का निरीक्षण कर अग्निवीरों के सैन्य अनुशासन, दक्षता और परेड मानकों का आकलन किया। परेड के दौरान अग्निवीरों में जोश, संतुलन और सैन्य गौरव की आभा साफ दिख रही थी।

अग्निपथ योजना के तहत चयनित युवा सैनिकों ने आज राष्ट्र की सेवा, राष्ट्र की एकता-अखंडता की रक्षा तथा अपने कर्तव्यों के निर्वहन की शपथ ली। कार्यक्रम में सैन्य अधिकारी,

प्रशिक्षक, आमंत्रित अतिथि और अग्निवीरों के परिजन उपस्थित रहे। परिसर में सैन्य बैंड की धुनों ने माहौल को और अधिक उल्लासपूर्ण एवं गौरवशाली बना दिया। पूरी परेड के दौरान भारत माता की जय और सैन्य ध्वनियों की गूंज वातावरण में वीरता और समर्पण का भाव पैदा कर रही थी। कार्यक्रम के समापन से पहले अधिकारियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अग्निवीरों को सम्मानित भी किया। वहीं प्रशिक्षकों द्वारा युवाओं के सैन्य चरित्र, अनुशासन, परिश्रम और राष्ट्रप्रेम की सराहना की गई। को समय पर सूचना देने में विफल रहे हैं।

नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया-राहुल के खिलाफ सुनवाई टली

अब 16 दिसंबर को अदालत सुना सकती है फैसला

नई दिल्ली

नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की सुनवाई शनिवार को राऊज एवेन्यू कोर्ट में होनी थी, जो कि टाल दी गई है। दरअसल इस मामले में ईडी द्वारा दाखिल चार्जशीट पर आज शनिवार को कोर्ट को संज्ञान लेने का फैसला लेना था, जिसे टाल दिया गया। अब 16 दिसंबर को अदालत अपना आदेश सुना सकती है।

गौरतलब है कि ईडी की जांच को लेकर कांग्रेस पहले ही दलील दे चुकी है, कि यह राजनीतिक बदले की कार्रवाई है।

इस मामले में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत कांग्रेस ओवरसीज प्रमुख सैम पित्रोदा, सुनील भंडारी, सुमन दुबे, यंग इंडियन और डोटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत आरोपी बनाया गया है। ईडी का आरोप है, कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की दो हजार करोड़ रुपए से अधिक की संपत्तियों पर गलत ढंग से कब्जा किया।

एजेंसी ने दावा किया है, कि इसकी पूरी योजना मात्र 50 लाख रुपए में यंग इंडियन नाम की कंपनी के माध्यम से की गई। उपरोक्त कंपनी में सोनिया गांधी

और राहुल गांधी की अधिकांश हिस्सेदारी बताई गई है।

गौरतलब है कि इस मामले में अदालत ने 7 नवंबर को आदेश सुरक्षित रखा था और ईडी को कुछ अतिरिक्त स्पष्टीकरण देने को कहा था। विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) विशाल गोगने का कहना था, कि कुछ दस्तावेज और वित्तीय लेन-देन की जानकारी को और गहराई से देखना आवश्यक है।

उत्तराखंड में 2027 में 14 जनवरी से 20 अप्रैल तक होगा अर्धकुंभ का आयोजन

हरिद्वार में सीएम के साथ हुई 13 अखाड़ों की बैठक, व्यवस्था को लेकर हुई चर्चा

हरिद्वार

उत्तराखंड में 2027 में होने वाले अर्धकुंभ की तिथि तय हो गई है। हरिद्वार में होने वाला ये आयोजन 14 जनवरी से शुरू होगा और 20 अप्रैल को खत्म होगा। 97 दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में 10 प्रमुख स्नान होंगे, जिसमें पहली बार चार शाही अमृत स्नान भी होंगे, जिसे ऐतिहासिक फैसला माना जा रहा है। कई दिनों से अर्धकुंभ की तिथियों को लेकर असमंजस की स्थिति थी, जिसके बाद सीएम पुष्कर धामी ने हरिद्वार में अखाड़ा प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

इस बैठक में मेला प्रशासन की ओर से 13 अखाड़ों के दो-दो सचिव या नामित प्रतिनिधियों ने भाग लिया। तिथियों की घोषणा के बाद संतों ने कहा कि यह मेला कुंभ की ही तरह आयोजित होगा, जिससे हरिद्वार में करोड़ों श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। अर्धकुंभ 2027 में कुल 10 प्रमुख स्नान पर्व तय किए गए हैं, जिनमें 4 शाही स्नान होंगे। यह पहली बार है जब किसी अर्धकुंभ में शाही अमृत स्नान किया जाएगा। प्रशासन ने बताया कि भीड़ प्रबंधन, गंगा घाटों की क्षमता और मार्गों को देखते हुए सभी स्नान पर्वों के लिए विशेष तैयारियां की जाएंगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अस्थायी मार्ग और पार्किंग स्थलों पर भी चर्चा की गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुबाबिक कुंभ 2027 की तैयारियों को लेकर सभी अखाड़ों ने एकमत होकर व्यवस्था, स्नान तिथियों और

आयोजन स्वरूप पर सहमति जताई। संतों ने कहा कि अर्धकुंभ की गरिमा बनाए रखने के लिए सरकार की ओर से उठाए गए कदम सही दिशा में हैं। बैठक में मेला अवधि को लेकर अंतिम सहमति बनी। कुंभ मेला 14 जनवरी 2027 से शुरु होगा हालांकि तैयारियां 1 जनवरी से ही शुरू हो जाएंगी, वहीं 20 अप्रैल को आखिरी स्नान के साथ ये संपन्न हो जाएगा। प्रशासन ने बताया कि इस अवधि में सभी स्नान पर्व, सांस्कृतिक आयोजन और अखाड़ों की पारंपरिक शोभायात्राएं आयोजित की जाएंगी।

मुंबई में सनबर्न फेस्टिवल का सनातन संस्था ने किया कड़ा विरोध

मुंबई

एशिया का सबसे बड़ा डांस म्यूजिक फेस्टिवल कहे जाने वाले सनबर्न फेस्टिवल को इस साल पहली बार गोवा की जगह मुंबई में आयोजित किया जाएगा। ऑर्गनाइजर की तरफ से की गई अधिकृत घोषणा के मुताबिक, यह तीन दिन का फेस्टिवल 19, 20 और 21 दिसंबर को मुंबई में होगा। लेकिन सनातन संस्था ने चेतावनी दी है कि इस फेस्टिवल को नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने एक पैम्फलेट जारी किया है, जिसमें लिखा है, मुंबई से सनबर्न फेस्टिवल को भगाओ और युवा पीढ़ी को ड्रग्स से बचाओ। संस्था ने मुंबईकरों से एक साथ आने की अपील की है। दरअसल पिछले कुछ सालों से अधिकांश युवा पीढ़ी ड्रग्स की आदी हो गई है। राज्य भर में पुलिस जाल बिछा कर ड्रग्स का स्टॉक जब्त कर रही है। यह इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूजिक फेस्टिवल, जिसमें विदेशी म्यूजिक और पॉप सिंगर शामिल होते हैं, साल के आखिर में आयोजित किया जाता है। ऑर्गनाइजर चाहे कितना भी कहें कि फेस्टिवल में ड्रग्स का इस्तेमाल नहीं होता, लेकिन हकीकत डरावनी है। इस फेस्टिवल में ड्रग्स बेचने वाले युवाओं को अपने जाल में फंसाते हैं। शोर और लेज़र बीम की वजह से बच्चों, बुज़ुर्गों और बीमारों को बहुत परेशानी होती है। साथ ही, जिस जगह यह फेस्टिवल होता है, वहाँ की ज़मीन और पर्यावरण को भी नुकसान होता है। इसीलिए गोवा में सनबर्न फेस्टिवल का विरोध होने और सरकार के करोड़ों

रुपये खर्च करने के बाद, अब इसे मुंबई में किया जा रहा है। इसलिए, सनातन संस्था के कोऑर्डिनेटर बलवंत पाठक ने सावधान रहने और सनबर्न फेस्टिवल का विरोध करने की अपील की है।

पतंजलि का गाय का घी घटिया, कोर्ट ने लगाया तगड़ा जुर्माना

पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड ने दी सफाई, कोर्ट के आदेश को त्रुटिपूर्ण बताया

नई दिल्ली

योग गुरु बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि गाय का घटिया घी बेच रही है। इसके लिए कोर्ट ने आदेश जारी कर पतंजलि घी के निर्माता और वितरक पर 1.40 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है।

हालांकि, पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड ने सफाई देते हुए कोर्ट के इस आदेश को त्रुटिपूर्ण और विधि-विरुद्ध बताया है। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में पतंजलि घी के सैंपल फेल होने पर अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट कोर्ट ने पतंजलि घी के निर्माता, वितरक और खुदरा विक्रेता पर राज्य और सेंट्रल लैब में घी के सैंपल फेल होने के बाद क्रमशः 1.25 लाख और 15,000 रुपए का जुर्माना लगाया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिथौरागढ़ के सहायक खाद्य सुरक्षा आयुक्त ने बताया कि एडीएम पिथौरागढ़ की अदालत में तीनों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था, जिसने 19 नवंबर को फैसला

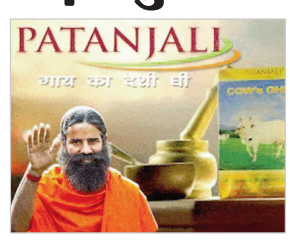

सुनाया गया, जिसकी कॉपी मिली गई है। उन्होंने बताया कि अक्टूबर 2020 में घी के सैंपल लिए गए थे और रुद्रपुर स्थित राज्य खाद्य प्रयोगशाला में भेजे गए, जहां सैंपल सही नहीं पाए गए। इसके बाद व्यापारियों ने सितंबर 2021 में केंद्र सरकार की प्रयोगशाला से टेस्ट कराने का अनुरोध किया, जहां सैंपलों को 2022 में फेल कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

एमसीडी उपचुनाव से पहले आप को झटका, पूर्व विधायक राजेश गुप्ता बीजेपी में शामिल

नई दिल्ली राजधानी दिल्ली में रविवार को 12 वार्डों के लिए होने वाले एमसीडी उपचुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) को एक तगड़ा झटका लगा है। आप के एक पूर्व विधायक राजेश गुप्ता ने पार्टी का साथ छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया। इस दौरान श्री गुप्ता ने कहा कि पार्टी और देश में से किसी एक को चुनना था, तब मैंने देश को चुन लिया। आप छोड़ने पर गुप्ता ने कहा कि तकलीफ है, दुख है, मैं नहीं छोड़ना चाहता था, मैं कई रातों से सोया नहीं हूं, लेकिन मुझे मजबूर किया गया। भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने गुप्ता को पार्टी दफ्तर में भाजपा का पटका पहनाकर भगवा दल की सदस्यता दिलाई। भाजपा में शामिल होने के बाद गुप्ता ने कहा, मैंने उन्हें नहीं छोड़ा, उन्होंने मुझे छोड़ा। पार्टी बनने से पहले भी, जब आंदोलन शुरू हुआ था, तब भी हम तीन मुख्य सिद्धांतों पर बात करते थे, भ्रष्टाचार, अपराध और चरित्र। अगर किसी व्यक्ति में इसमें से कोई भी कमी पाई जाती थी, तब पार्टी उस शख्स को सपोर्ट नहीं करती थी, टिकट देना दूर की बात है। आप में मेरे अभी भी कई दोस्त हैं, कुछ चले गए हैं, कुछ जाने वाले हैं, और उनमें से कई बहुत दुखी हैं।

एसएससी एमटीएस और हवलदार के 7,948 पदों पर होगी भर्ती, 73 पदों की कटौती की

नई दिल्ली कर्मचारी चयन आयोग ने मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) और हवलदार के पदों पर भर्ती के लिए टेंटेटिव वैकेंसी की सूची जारी की है। एसएससी एमटीएस 2025 परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए यह बड़ी खबर है। आयोग के नोटिफिक्रेशन के मुताबिक अब एमटीएस और हवलदार के पदों पर कुल 7,948 उम्मीदवार नियुक्त किए जाएंगे। सीबीआईसी और सीबीएन के अंतर्गत हवलदार के कुल 1,138 पदों पर भर्ती के लिए भी नोटिफिक्रेशन जारी किया है। इस सूची को जारी करने के साथ ही एसएससी ने स्पष्ट कर दिया है कि पहले घोषित किए गए पदों की संख्या में मामूली बदलाव किया है। एसएससी की शुरुआती सूचना में पदों की संख्या 5,464 थी, जिसे बढ़ाकर 8,021 किया गया था। हालांकि, लेटेस्ट टेंटेटिव सूची में 73 पदों की कटौती की गई है, जिससे कुल संख्या 7,948 रह गई। उम्मीदवार वर्ग और वांछित पद के मुताबिक जारी की गई रिक्तियां चेक कर सकते हैं। इससे सरकारी नौकरी के लिए आवेदन करना आसान होगा। कर्मचारी चयन आयोग की लेटेस्ट टेंटेटिव वैकेंसी सूची के मुताबिक एमटीएस और हवलदार के कुल 7,948 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए पहले पदों की संख्या 5,464 घोषित की गई थी, जिसे संशोधित कर 8,021 किया गया था, लेकिन लेटेस्ट अपडेट के मुताबिक अब 7,948 पदों पर भर्ती होगी। इसका मतलब है कि भर्ती में 73 पद कम किए गए हैं। बता दें 7,948 पदों को मुख्य रूप से 3 श्रेणियों में बांटा गया है, जिसके अनुसार उम्मीदवारों की नियुक्ति की जाएगी। मल्टी टास्किंग स्टाफ (18 से 25 आयु वर्ग) इस श्रेणी के अंतर्गत सबसे ज्यादा 6,078 पदों पर भर्ती की जाएगी। मल्टी टास्किंग स्टाफ (18 से 27 आयु वर्ग) इस श्रेणी के लिए कुल 732 पदों पर नियुक्ति की जाएगी। वहीं सीबीआईसी और सीबीएन के अंतर्गत हवलदार के कुल 1,138 पदों पर भर्ती की जाएगी।

लेह हिंसा की जांच कर रहे लेह एपेक्स बॉडी ने बयान दर्ज करने की समयसीमा बढ़ाई

नई दिल्ली लेह हिंसा की जांच कर रहे ज्यूडिशियल जांच कमीशन ने लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) के औपचारिक अनुरोध के बाद बयान दर्ज करने और सबूत जमा करने की समय सीमा 10 दिन बढ़ाई है। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज बीएस चौहान की अध्यक्षता वाले 3 सदस्यों वाले कमीशन को 17 अक्टूबर को गृह मंत्रालय ने पता लगाने के लिए नोटिफाई किया था कि 24 सितंबर को लेह में हिंसा वजह क्या थी। आदेश के अनुसार, आयोग को 27 नवंबर को एलएबी के को-चेयरमैन से लिखित अनुरोध मिला, जिसमें अतिरिक्त समय मांगा गया था, यह कहते हुए कि बहुत से लोग अभी भी आयोग के सामने अपने बयान देना और सबूत जमा करना चाहते हैं। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची का दर्जा देने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प में चार आम लोगों की मौत हो गई और 90 लोग घायल हो गए, जिससे महीनों से चल रहा आंदोलन और बढ़ गया।